पाकिस्तान खरीद रहा जे-35... पेज 5

दैनिक कारखाने का सफर

मुकाबले के चक्कर में आदमी का जीवन एक कारखाने के समान हो गया है, आदमी का सबसे विश्वसनीय अखबार

जहां शिव के साथ विराजती हैं शक्ति... पेज 7

वर्ष 6, अंक 333 | भोपाल, शुक्रवार 15 मई, 2026 | ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष, त्रियोदशी 2083 | मूल्य 2 रुपए

नई दिल्ली में पीएम मोदी की रूसी विदेश मंत्री लॉवरो से अहम चर्चा

दैनिक कारखाने का सफर। एजेंसी नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को नई दिल्ली में ब्रिक्स विदेश मंत्रियों के शिखर सम्मेलन के दौरान ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची और रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से मुलाकात की। यह मुलाकात 14 से 15 मई तक राजधानी में आयोजित ब्रिक्स विदेश मंत्रियों और वरिष्ठ प्रतिनिधियों की दो दिवसीय बैठक के दौरान हुई। प्रधानमंत्री ने सदस्य और सहयोगी देशों के मंत्रियों और प्रतिनिधियों के साथ आधिकारिक ब्रिक्स पारिवारिक तस्वीर में भी भाग लिया।

इससे पहले दिन में, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शिखर सम्मेलन स्थल भारत मंडपम में कई विदेश मंत्रियों और वरिष्ठ राजनयिकों का स्वागत किया। औपचारिक चर्चा से पहले जयशंकर द्वारा स्वागत किए गए पहले नेताओं में रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव भी शामिल थे। ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची भी उच्च स्तरीय बैठक के लिए स्थल पर पहुंचे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की चीन यात्रा के दौरान बीजिंग में ही रहे चीनी विदेश मंत्री

वांग यी की जगह भारत में चीनी राजदूत जू फीहोंग ने बीजिंग का प्रतिनिधित्व किया। जयशंकर ने इंडोनेशिया के विदेश मंत्री सुगियोनो, दक्षिण अफ्रीका के विदेश मंत्री रोनाल्ड लामोला और इथियोपिया के विदेश मंत्री गेदियन तिमोथियोस हेसेबोन का भी स्वागत किया। संयुक्त अरब अमीरात के विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री खलीफा शाहीन अल मरार भी शिखर सम्मेलन में उपस्थित थे। बैठक से पहले, जयशंकर ने नई दिल्ली में इंडोनेशिया के विदेश मंत्री सुगियोनो से बातचीत की। इस सम्मेलन में ब्रिक्स सदस्य देशों और पर्यवेक्षक देशों के विदेश मंत्री और वरिष्ठ अधिकारी वैश्विक और क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा के लिए एक साथ आए हैं।

ममता बनर्जी के वकील बनने पर बार काउंसिल ने मांग ली प्रैक्टिस डिटेल

दैनिक कारखाने का सफर। एजेंसी कोलकाता

पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की सुप्रीमो ममता बनर्जी गुरुवार को कलकत्ता उच्च न्यायालय में वकील के गाउन में राज्य में कथित चुनावोत्तर हिंसा से जुड़े एक मामले पर बहस करने के लिए पेश हुईं। वह टीएमसी के वरिष्ठ नेताओं चंद्रिमा भट्टाचार्य और कल्याण बनर्जी के साथ अदालत पहुंचीं। यह मामला अधिवक्ता शिरशन्या बंद्योपाध्याय द्वारा टीएमसी की ओर से दायर जनहित याचिका से संबंधित है।

याचिका में आरोप लगाया गया है कि 2026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के परिणाम घोषित होने के बाद पार्टी कार्यालयों पर हमले हुए और कई टीएमसी कार्यकर्ताओं को हिंसा का सामना करना पड़ा।

याचिका के अनुसार, तृणमूल कांग्रेस से जुड़े होने के कारण कई पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं पर कथित तौर पर हमला किया गया। इसमें यह भी दावा किया गया है कि चुनाव के बाद कई कार्यकर्ताओं को अपने घर छोड़ने के लिए मजबूर किया गया। यह याचिका 12 मई को कलकत्ता उच्च न्यायालय में प्रस्तुत की गई और मुख्य न्यायाधीश सुजॉय पॉल और न्यायमूर्ति पार्थसारथी सेन की अध्यक्षता वाली खंडपीठ के समक्ष सुनवाई के लिए आई।

सुनवाई समाप्त होने के बाद न्यायालय परिसर के अंदर तनाव की खबर आई। जब ममता बनर्जी उच्च न्यायालय से बाहर निकल रही थीं, तो वकीलों के एक समूह ने कथित तौर पर उन्हें "चोर" कहकर नारे लगाए। टीएमसी नेताओं और वकीलों द्वारा उन्हें परिसर से सुरक्षित बाहर निकालने के प्रयास के दौरान स्थिति कुछ समय के लिए अराजक हो गई। इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए कल्याण बनर्जी ने भाजपा से जुड़े वकीलों पर पूर्व मुख्यमंत्री को परेशान करने का प्रयास करने का आरोप लगाया। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि यदि एक पूर्व मुख्यमंत्री के साथ ऐसा व्यवहार किया जा सकता है, तो पूरे बंगाल में आम टीएमसी कार्यकर्ताओं को और भी अधिक शत्रुता का सामना करना पड़ रहा होगा। इस बीच, कलकत्ता उच्च न्यायालय में वकील के रूप में उनकी उपस्थिति की खबरों के बाद, बार काउंसिल ऑफ इंडिया ने पश्चिम बंगाल बार काउंसिल को पत्र लिखकर ममता बनर्जी के नामांकन और कानूनी प्रैक्टिस की स्थिति से संबंधित रिकॉर्ड मांगे हैं। बार काउंसिल ऑफ इंडिया ने उनके वकील के रूप में नामांकन, प्रैक्टिस के निलंबन या पुनः आरंभ और प्रैक्टिस सर्टिफिकेट के बारे में जानकारी मांगी है। राज्य बार काउंसिल को दो दिनों के भीतर ये रिकॉर्ड उपलब्ध कराने को कहा गया है।

वेस्ट बंगाल में मुख्यमंत्री अधिकारी का ऐलान- सरकारी स्कूलों में वंदे मातरम गाना अनिवार्य

दैनिक कारखाने का सफर। एजेंसी नई दिल्ली

मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने गुरुवार को घोषणा की कि पश्चिम बंगाल के सभी सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त विद्यालयों में 18 मई से वंदे मातरम गाना अनिवार्य होगा। मीडिया से बात करते हुए अधिकारी ने कहा कि निजी विद्यालयों से भी इसे अपनाने का अनुरोध किया गया है और इस संबंध में औपचारिक सूचना आज बाद में जारी की जाएगी। अधिकारी ने कहा कि सोमवार से सभी सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में वंदे मातरम अनिवार्य होगा। निजी स्कूलों में भी इसे शामिल करने की अपील की गई है। इस संबंध में आज औपचारिक नोटिस जारी किया जाएगा।

एक अलग घटनाक्रम में, अधिकारी ने पश्चिम बंगाल विधानसभा के अध्यक्ष पद के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक रथेंद्र बोस के नामांकन के बारे में भी बात की और परंपरा के अनुसार सर्वसम्मति बनाए रखने का आग्रह किया। बोस की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वे एक समर्पित पार्टी कार्यकर्ता हैं और पेशे से चार्टर्ड अकाउंटेंट हैं। उन्होंने आगे कहा कि वे इस भूमिका में प्रशासनिक समझ और संगठनात्मक अनुभव दोनों लेकर आएंगे। अधिकारी ने कहा कि उन्होंने कभी विधायक, मंत्री या अध्यक्ष जैसे किसी पद के लिए आवेदन नहीं किया। पार्टी ने उनकी निष्ठा को पहचाना है। वे चार्टर्ड अकाउंटेंट हैं और इस जिम्मेदारी को संभालने के लिए उनमें

आवश्यक क्षमता है। हम उनके नेतृत्व के लिए सभी पक्षों से सहयोग चाहते हैं। उन्होंने विपक्ष से संसदीय परंपरा का पालन करते हुए निर्विरोध स्पीकर चुनाव सुनिश्चित करने की अपील की। उन्होंने कहा, "पश्चिम बंगाल में स्पीकर का चुनाव पारंपरिक रूप से सर्वसम्मति से होता आया है। मुझे उम्मीद है कि विपक्ष इस परंपरा को जारी रखेगा।"

उन्होंने बताया कि स्पीकर का चुनाव शुक्रवार को सुबह 11 बजे होगा। पार्टी सूत्रों द्वारा साझा की गई जानकारी के अनुसार, कूचबिहार दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के प्रतिनिधि रथेंद्र बोस ने हाल ही में हुए चुनावों में तृणमूल कांग्रेस के अपने प्रतिद्वंद्वी को 23,000 से अधिक वोटों के अंतर से हराकर जीत हासिल की। 2026 के विधानसभा चुनावों के परिणामों ने भाजपा को निर्णायक जनादेश दिया है, जिसने 294 सदस्यीय विधानसभा में 207 सीटें जीतकर महत्वपूर्ण बढ़त दर्ज की है। यह उस राज्य में एक बड़ा बदलाव है जहां पिछले चुनाव में भाजपा को केवल 77 सीटें मिली थीं। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी), जिसने पिछले विधानसभा चुनावों में 212 सीटें जीती थीं, 80 सीटों के साथ दूसरे स्थान पर रही।

पेट्रोल-डीजल के दाम में 3-3 रुपये का इजाफा, फौरन चेक करें रेट, महंगाई का झटका

दैनिक कारखाने का सफर। एजेंसी नई दिल्ली

पेट्रोल-डीजल के दाम में आज बढ़ोतरी हो गई है। दिल्ली में पेट्रोल 3 रुपये और डीजल भी तीन रुपये महंगा हो गया है। इंडियन ऑयल द्वारा जारी नए रेट के मुताबिक दिल्ली में पेट्रोल आज से 97.77 रुपये लीटर हो गया है। जबकि डीजल 90.67 रुपये लीटर हो गया है। इससे पहले यहां डीजल 87.67 रुपये और पेट्रोल 94.77 रुपये लीटर बिक रहा था।

कोलकाता में आज से पेट्रोल 108.74 रुपये लीटर हो गया है। जबकि डीजल 95.13 रुपये लीटर हो गया है। इंडियन ऑयल द्वारा जारी नए रेट के मुताबिक चेन्नई में आज शुक्रवार 15 मई से पेट्रोल 103.67 रुपये लीटर हो गया है। जबकि डीजल 95.25 रुपये लीटर हो गया है। आखिर वही हुआ, जिसका डर था। पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ गए। वैसे तो दाम बढ़ने के कयास चुनाव से पहले ही लगाए जा रहे थे कि चुनाव बाद पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ेंगे, क्योंकि दुनिया के अधिकांश देशों में पेट्रोल-डीजल के दाम में बहुत अधिक बढ़ोतरी हो चुकी है और भारत अबतक शांत था। रविवार और सोमवार को पीएम मोदी की ईंधन की खपत कम करने की अपील से यह लगने लगा था कि दाम बढ़ेंगे। आज 2022 के बाद पहली बार पेट्रोल-डीजल के दाम में इजाफा हुआ है।

पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने मंगलवार को बताया था कि कच्चे तेल कीमतों में तेज उछाल और अंडर रिकवरी के चलते ऑयल मार्केटिंग कंपनियों को रोजाना लगभग 1,000 करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा है। यह अंडर रिकवरी लगभग 1.98 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान है, जबकि तिमाही घाटा करीब 1 लाख करोड़ रुपये है। दूसरी ओर क्रूड ऑयल के दाम पहले के 64-65 डॉलर प्रति बैरल से बढ़कर लगभग 115 डॉलर पर पहुंच गए हैं। पुरी ने यह भी बताया कि भारत दुनिया का एकमात्र ऐसा देश है, जिसने 2022 के बाद से ईंधन की कीमतें नहीं बढ़ाई हैं।

सिर्फ एक दिन और, भारत नहीं आएगा रूसी तेल; पेट्रोल-डीजल की हो सकती है भारी कमी

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज (Strait of Hormuz) में पिछले 75 दिनों से जारी व्यवधान और वैश्विक तेल आपूर्ति पर बढ़ते दबाव के बीच भारत ने एक बार फिर अमेरिका से संपर्क किया है। भारत ने रूसी तेल आयात पर मौजूदा प्रतिबंधों से छूट की अवधि को आगे बढ़ाने का आग्रह किया है। अमेरिका ने इस साल मार्च में पहली बार इस विशेष व्यवस्था को मंजूरी दी थी, जिसे बाद में विस्तारित किया गया। वर्तमान छूट की समय सीमा 16 मई रात 12:01 बजे तक निर्धारित है। इस छूट का प्राथमिक उद्देश्य अतिरिक्त कच्चे तेल की आपूर्ति सुनिश्चित कर वैश्विक बाजारों को स्थिर करना था।

रूसी तेल पर पूर्ण प्रतिबंध नहीं है, लेकिन ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, वॉशिंगटन लगातार भारत पर दबाव बना रहा है कि वह यूक्रेन युद्ध के कारण मॉस्को से रियायती दरों पर की जा रही खरीदारी को कम करे।

28 फरवरी से मिडिल ईस्ट में शुरू हुए संकट के लगातार गहराने के कारण भारतीय अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि देश के लिए स्थिर ऊर्जा आपूर्ति सुनिश्चित करना सर्वोच्च प्राथमिकता है। भारत ने चेतावनी दी है कि तेल बाजारों में निरंतर

अस्थिरता के व्यापक आर्थिक परिणाम हो सकते हैं। अप्रैल में जारी किए गए ताजा लाइसेंस के तहत उन रूसी तेल और पेट्रोलियम उत्पादों की खरीद की अनुमति दी गई थी, जो उस तारीख तक जहाजों पर लोड किए जा चुके थे।

छूट की समय सीमा समाप्त होने से पहले भारतीय रिफाइनरी कंपनियां तेजी से खरीदारी कर रही हैं। केप्लर (Kpler) के आंकड़ों के अनुसार, मई में अब तक रूस से कच्चे तेल का आयात रिकॉर्ड 23 लाख बैरल प्रति दिन तक पहुंच गया है। पूरे महीने का औसत 19 लाख बैरल प्रति दिन रहने का अनुमान है।

रूसी कच्चे तेल की रिकॉर्ड खरीदारी के बावजूद, रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार भारत ने उन रूसी LNG (तरल प्राकृतिक गैस) कार्गो को लेने से इनकार कर दिया है जो अमेरिकी प्रतिबंधों के दायरे में आते हैं। इस फैसले के कारण रूस से जुड़ा कम से कम एक LNG शिपमेंट फिलहाल सिंगापुर के पास अटका हुआ है।

इस विषय पर 30 अप्रैल को रूसी उप ऊर्जा मंत्री पावेल सोरोकिन ने नई दिल्ली में पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी से मुलाकात की थी। वे जून में फिर से वार्ता के लिए आ सकते हैं। केंद्र सरकार ने देशवासियों को आश्वस्त किया है कि देश में ईंधन की कोई कमी नहीं है। सीआईआई (CII) के वार्षिक व्यापार शिखर सम्मेलन में बोलते हुए केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने भारत के ऊर्जा भंडार की जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि वर्तमान में भारत में 69 दिनों का एलएनजी और 45 दिनों का एलपीजी स्टॉक उपलब्ध है। पुरी ने कहा कि इन स्टॉक स्तरों के कारण तत्काल आपूर्ति बाधित होने का कोई खतरा नहीं है। तनाव को देखते हुए सरकार ने LPG के दैनिक उत्पादन को 36,000 टन से बढ़ाकर 54,000 टन कर दिया है ताकि घरेलू आपूर्ति सुरक्षित रहे।

दैनिक कारखाने का सफर अखबार का संपादकीय कार्यालय

गोबिंद टॉवर, क्वालिटी रेस्टोरेंट के पास, एसबी स्टूडियों के ऊपर पिपलानी पेट्रोल पंप के पास, सोनागिरी चौराहा रायसेन रोड भेल भोपाल। मोबाइल नंबर: 9826035849, 9425006706

गतांक से आगे : लोक कल्याण हेतु दादाजी का अवतरण

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

दादाजी गुरुदेव से संबंधित अनेक चमत्कारिक एवं प्रेरणादायी घटनाएँ समय-समय पर भक्तों के जीवन में घटित होती रहीं। इन दिव्य प्रसंगों ने केवल सामान्य जनमानस को ही नहीं, बल्कि देश-विदेश की अनेक प्रतिष्ठित विभूतियों को भी गहराई से प्रभावित किया। दादाजी के सानिध्य में प्राप्त अनुभूतियाँ श्रद्धा, विश्वास और भक्ति का ऐसा अमिट संस्कार प्रदान करती हैं, जिससे साधक का जीवन भीतर से प्रकाशित हो उठता है। एक बार हरे राम बाबा ने दादाजी गुरुदेव से बड़े दादाजी भगवान भृंगी ऋषि के दिव्य दर्शन कराने का आग्रह किया। दादाजी ने उन्हें समझाते हुए कहा कि ऐसी अलौकिक अनुभूतियों को धारण करने के लिए साधक का अंतःकरण पूर्णतः तैयार होना आवश्यक है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि अत्यधिक जिद करने पर दर्शन तो संभव हैं, किंतु उसके परिणामस्वरूप अनेक प्रकार की कठिन परिस्थितियों का सामना भी करना पड़ सकता है। हरे राम बाबा के बार-बार निवेदन करने पर अंततः दादाजी ने अपनी कृपा से उन्हें दिव्य अनुभूति प्रदान की।

कुछ समय पश्चात एक घटना घटी। हरे राम बाबा ट्रेन से दिल्ली जा रहे थे। यात्रा के दौरान उन्होंने अपना सूटकेस सामने बैठे एक यात्री की निगरानी में छोड़ दिया और थोड़ी देर के लिए बाहर चले गए। इसी बीच एक व्यक्ति आया और उसने कहा कि बाहर खड़े बाबा जी अपना सामान मंगवा रहे हैं। उस यात्री ने सहज विश्वास में सूटकेस उसे सौंप दिया। जब हरे राम बाबा लौटे और अपना सामान नहीं देखा, तब उन्हें पूरी घटना का पता चला। अब उनके पास केवल वही वस्त्र शेष थे, जिन्हें वे पहने

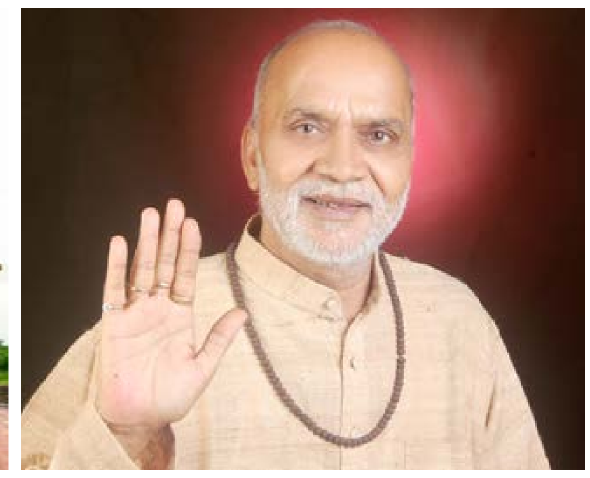

हुए थे। दिल्ली पहुँचने के बाद वे अत्यंत चिंतित और असहाय स्थिति में इधर-उधर भटकते रहे। रात होने पर थकान से व्याकुल होकर उन्होंने प्लेटफार्म पर अपनी धोती ओढ़कर विश्राम किया। गहरी नींद के दौरान कोई व्यक्ति उनकी धोती भी लेकर चला गया। नींद खुलने पर वे अत्यंत व्यथित हुए। परिस्थिति और कठिन तब हो गई, जब स्नानागार में रखा उनका कुर्ता भी कोई उठा ले गया। अब वे केवल चड्डी बनियान में प्लेटफार्म पर खड़े थे। उसी समय दादाजी गुरुदेव की अदृश्य कृपा प्रकट हुई। दूर से उनका एक पुराना शिष्य दौड़ता हुआ आया। उसने विनम्रता से पूछा, "बाबा जी, यह कैसी अवस्था है? तब हरे राम बाबा ने पूरी घटना सुनाई। उस शिष्य ने तत्काल अपने पास उपलब्ध वस्त्र उन्हें पहनाए। कुर्ता छोटा था और पायजामा बड़ा, किंतु उस समय वही उनके लिए दैवी सहायता बन गया। उसने कुछ धनराशि भी प्रदान की, जिससे आगे की यात्रा और आवश्यक व्यवस्था संभव हो सकी। इस घटना के माध्यम से दादाजी गुरुदेव ने यह अनुभूति कराई कि भक्त चाहे किसी भी स्थान पर क्यों न हो, गुरुकृपा सदैव उसके साथ रहती है। अनेक बार जीवन में कठिन परिस्थितियाँ आती हैं, परंतु सद्गुरु अपने भक्त को असहाय नहीं छोड़ते। वे किसी न किसी माध्यम से सहायता अवश्य पहुँचाते हैं। यदि यह घटना किसी अपरिचित स्थान पर होती और सहायता का कोई साधन न मिलता, तो स्थिति अत्यंत गंभीर हो सकती थी। किंतु गुरुदेव की करुणा ने संकट को उसी क्षण शांत कर दिया।

दादाजी की कृपा किस प्रकार होती है दादाजी गुरुदेव की कृपा केवल चमत्कारों तक सीमित नहीं थी। उनकी कृपा भक्तों के जीवन में संरक्षण, मार्गदर्शन और आत्मिक जागरण के रूप में प्रकट होती थी। वे अपने शिष्यों को यह अनुभव कराते थे कि सच्चे विश्वास और निष्कपट भक्ति के साथ जुड़ा साधक कभी अकेला नहीं रहता।

संकट आने से पूर्व ही रक्षा का मार्ग बन जाना, गुरुकृपा का संकेत है।

निराशा के क्षणों में अचानक सहायता प्राप्त होना, दादाजी की करुणा का स्वरूप है।

मन में श्रद्धा, धैर्य और सकारात्मक शक्ति का जागृत होना भी उनकी दिव्य अनुकंपा मानी जाती है।

गुरुदेव अपने भक्तों को कठिन अनुभवों के माध्यम से जीवन का गूढ़ सत्य समझाते थे, जिससे साधक का अहंकार समाप्त होकर समर्पण की भावना प्रबल हो सके।

दादाजी गुरुदेव सदैव कहते थे कि गुरु पर पूर्ण विश्वास रखने वाला व्यक्ति कभी पराजित नहीं होता। परिस्थितियाँ चाहे कितनी भी विपरीत क्यों न हों, अंततः ईश्वर और सद्गुरु अपने भक्त का कल्याण अवश्य करते हैं। यही गुरुकृपा का वास्तविक स्वरूप है अदृश्य रहते हुए भी प्रत्येक क्षण भक्त की रक्षा करना, उसका मार्ग प्रशस्त करना और उसे आध्यात्मिक प्रकाश की ओर अग्रसर करना।

जागृत एवं दर्शनीय तीर्थ स्थल दादाजी धाम मंदिर में प्रदोष व्रत पर हुआ भगवान शिव का रुद्राभिषेक

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

ज्येष्ठ माह में इस वर्ष विशेष संयोग बन रहा है, जिसके चलते कुल 4 प्रदोष व्रत पड़ रहे हैं। प्रथम प्रदोष व्रत 14 मई, गुरुवार को जागृत एवं दर्शनीय तीर्थ स्थल दादाजी धाम मंदिर में श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर भगवान शिव का विधि-विधान से रुद्राभिषेक किया गया तथा उपस्थित श्रद्धालुओं एवं भक्तों द्वारा "ॐ नमः शिवाय" मंत्र का सामूहिक जाप कर वातावरण को भक्तिमय बनाया गया। मंदिर में उपस्थित सभी भक्तों द्वारा भगवान शिव का जल, दुग्ध, बेलपत्र एवं पुष्प अर्पित कर श्रद्धापूर्वक अभिषेक एवं रुद्राभिषेक किया गया तथा सुख-समृद्धि एवं लोककल्याण की कामना की गई। प्रदोष व्रत का हिंदू धर्म में विशेष महत्व माना गया है। धार्मिक मान्यता के अनुसार प्रदोष काल में भगवान शिव की पूजा एवं रुद्राभिषेक करने से समस्त कष्टों का निवारण होता है तथा भक्तों को सुख, शांति, आरोग्य एवं मनोकामनाओं की पूर्ति का आशीर्वाद प्राप्त होता है। ज्येष्ठ माह में आने वाले प्रदोष व्रत का पुण्य विशेष फलदायी माना गया है। मंदिर में पूजन एवं रुद्राभिषेक का कार्यक्रम पंडित श्री राजेंद्र पलिया द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार एवं विधि-विधान के साथ सम्पन्न कराया गया। इस अवसर पर श्री श्री 1008 श्री दादाजी गुरुदेव चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष शिवरतन नामदेव द्वारा बताया गया कि दादाजी धाम मंदिर में नियमित रूप से धार्मिक, आध्यात्मिक एवं जनकल्याणकारी आयोजन किए जाते हैं, जिनमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होकर धर्म लाभ प्राप्त करते हैं।

मंडी परिसर में 1.45 करोड़ के विकास कार्यों का भूमिपूजन

गुणवत्ता से समझौता नहीं होगा : राज्यमंत्री डॉ. टेटवाल

इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर से कार्यक्रम में पहुंचे मंत्री, सार्वजनिक परिवहन और ईंधन बचत का दिया संदेश

दैनिक कारखाने का सफर। सारंगपुर

गुरुवार को मध्यप्रदेश शासन के कौशल विकास एवं रोजगार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. गौतम टेटवाल ने कृषि उपज मंडी परिसर में लगभग 1 करोड़ 45 लाख रुपए की लागत से बनने वाले विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। इनमें ट्रॉली शेड, डामरीकरण, पानी की टंकी, सीसी रोड एवं विद्युतीकरण सहित अन्य निर्माण कार्य शामिल हैं।

इस अवसर पर राज्यमंत्री डॉ. टेटवाल ने कहा कि मंडी परिसर में कराए जा रहे सभी निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण हों, इसमें किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को समय सीमा में बेहतर कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए।

कार्यक्रम के दौरान डॉ. टेटवाल ने मंडी परिसर में व्यापारियों एवं अन्नदाता किसान भाईयों से अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने की अपील करते हुए पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। उन्होंने कहा कि विकास के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण भी हम सभी की जिम्मेदारी है। विशेष बात यह रही कि राज्यमंत्री डॉ. टेटवाल कार्यक्रम में इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर वाहन से पहुंचे। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा पेट्रोल-डीजल की खपत कम करने एवं वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों को अपनाने की अपील से प्रेरित होकर वे इलेक्ट्रिक वाहन का उपयोग कर रहे हैं। इससे ईंधन बचत के साथ पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा।

कार्यक्रम में जनपद अध्यक्ष श्री देवनारायण नागर, नगर पालिका अध्यक्ष श्री पंकज पालीवाल, नगर पालिका उपाध्यक्ष प्रतिनिधि श्री नीलेश वर्मा, मंडल अध्यक्ष श्री महेश पुष्पद, कृषि उपज मंडी विधायक प्रतिनिधि श्री धर्मेंद्र गुर्जर, जिला पंचायत सदस्य श्री रामलाल खटक, हिंदू उत्सव समिति अध्यक्ष डॉ. ध्रुव भल्ला, मंडल महामंत्री श्री कमल राठौड़, पार्षद श्री राकेश पुष्पद, श्री कुलदीप राठौर, श्री सुनील बागवान, एसडीएम श्री रोहित बामोरे, मंडी सचिव श्री राजेश खरे सहित बड़ी संख्या में व्यापारी एवं अन्नदाता किसान बंधु उपस्थित रहे।

राज्यमंत्री डॉ टेटवाल ने की बस कि यात्रा : बस में सफर कर पचोर पहुंचकर पेट्रोल पंप हादसे में मृतक को दी श्रद्धांजलि

दैनिक कारखाने का सफर। सारंगपुर

सारंगपुर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के 'राष्ट्र प्रथम' के आह्वान से प्रेरित होकर ईंधन बचत, पर्यावरण संरक्षण एवं सार्वजनिक परिवहन को प्रोत्साहित करने की अपील से प्रभावित होकर गुरुवार को प्रदेश सरकार तकनीकी शिक्षा कौशल विकास एवं रोजगार राज्य मंत्री डॉ गौतम टेटवाल पचोर तक सार्वजनिक परिवहन बस सेवा के माध्यम से यात्रा की इस दौरान राज्यमंत्री डॉ टेटवाल ने विगत दिनों पेट्रोल पंप की दुःखद घटना से प्रभावित परिवारों से भेंट कर उनकी समस्याओं को सुना एवं हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। साथ ही पचोर नगर में नागरिकों से जनसंपर्क कर विभिन्न जनसमस्याओं के निराकरण हेतु संबंधित विषयों पर चर्चा की।इसके पश्चात राज्यमंत्री डॉ टेटवाल पुनः पचोर से सारंगपुर तक बस से यात्रा की। मंत्री डॉ टेटवाल ने कहा कि यह यात्रा केवल एक साधारण सफर नहीं, बल्कि माननीय का एक छोटा सा प्रयास है। सार्वजनिक परिवहन अपनाकर हम न केवल ईंधन की बचत कर सकते हैं, बल्कि प्रदूषण कम करने और यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने में भी अपना योगदान दे सकते हैं।

धर्मांतरण की साजिश और मल्टीनेशनल कंपनियों में 'कॉर्पोरेट जिहाद' को रोकें – हिंदू जनजागृति समिति का उज्जैन में सीएम के नाम प्रशासन को ज्ञापन

कॉर्पोरेट जिहाद के विरोध में उज्जैन के नायब तहसीलदार श्री माधव प्रसाद मोगरे जी को ज्ञापन देते हिन्दू जनजागृति समिति के श्रीराम काणे एवं अन्य।

दैनिक कारखाने का सफर। उज्जैन

बहुराष्ट्रीय कंपनियों (MNCs) के भीतर हिंदू महिला कर्मचारियों को निशाना बनाने वाली मानसिकता और संगठित 'कॉर्पोरेट जिहाद' के खिलाफ आज हिंदू जनजागृति समिति ने उज्जैन प्रशासन के माध्यम से मुख्यमंत्री और राष्ट्रीय महिला आयोग को ज्ञापन सौंपा। महाराष्ट्र के नासिक में सामने आई दिल दहला देने वाली घटनाओं का हवाला देते हुए समिति ने कहा कि कॉर्पोरेट जगत में हिंदू महिलाओं का शोषण, उन्हें जबरन नमाज पढ़ने और गोमांस खाने के लिए मजबूर करना एक बड़े 'धार्मिक आतंक' का हिस्सा है, जिसे अब सहन नहीं किया जाएगा।

समिति ने उज्जैन के नायब तहसीलदार श्री. माधव प्रसाद मोगरे जी के माध्यम से मांग की है कि उज्जैन और पूरे मध्यप्रदेश में चल रही मल्टीनेशनल कंपनियों में भी इस तरह की घटनाओं की तुरंत जांच की जाए। साथ ही सरकार से मांग की गई है कि कंपनियों में 'धार्मिक भेदभाव विरोधी ऑडिट' शुरू हो और महिलाओं की मदद के लिए विशेष हेल्पलाइन बनाई जाए, ताकि पीड़ित महिलाएं बिना किसी डर के अपनी शिकायत दर्ज करा सकें। समिति ने कड़े शब्दों में कहा कि 'कॉर्पोरेट' के नाम पर हिंदू महिलाओं का शोषण और धर्मांतरण का खेल अब बंद होना चाहिए। इस अवसर पर हिन्दू जनजागृति समिति के श्रीराम काणे, शैलेन्द्र सोथिया, शिवम सोनी, भारत रक्षा मंच के श्री. शैलेन्द्र सेठ जी, कपिल गौड, विजय जोशी, सनातन संस्था की श्रीमती स्मिता कुलकर्णी जी, बबीता खत्री, राधा खत्री समाजसेवी

विद्युत संबंधी सेवाओं के शिविर का भी किया शुभारंभ

मंत्री विश्वास सारंग ने द्वारका नगर में बावड़ी की सफाई हेतु किया श्रमदान

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

सहकारिता, खेल और युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने गुरुवार को जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत नरेला विधानसभा के द्वारका नगर स्थित प्राचीन बावड़ी की सफाई हेतु श्रमदान किया एवं स्वच्छता मित्रों को किट वितरित कर उनका सम्मान एवं उत्साहवर्धन भी किया। उन्होंने कहा कि जल ही जीवन का आधार है और जल स्त्रोतों का संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बन चुका है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में जलगंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत प्रदेशभर में जल स्त्रोतों के संरक्षण, संवर्धन एवं पुनर्जीवन हेतु व्यापक स्तर पर कार्य किया जा रहा है। आगे उन्होंने कहा कि परंपरागत जल स्त्रोतों जैसे बावड़ी, कुएँ, तालाब एवं सरोवर हमारी सांस्कृतिक धरोहर हैं जिन्हें संरक्षित करना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। मंत्री श्री सारंग ने नागरिकों से आह्वान किया कि वे जल संरक्षण को जनआंदोलन बनाते हुए वर्षा जल संचयन, जल स्त्रोतों की स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के कार्यों में सक्रिय सहभागिता निभाएँ।

विद्युत संबंधी सेवाओं के शिविर का शुभारंभ

मंत्री श्री विश्वास सारंग ने नरेला विधानसभा के चाँदबड़ में संपर्क अभियान के तहत विद्युत संबंधी सेवा शिविर का शुभारंभ किया। इस शिविर में कनेक्शन संबंधी, बिल संबंधी, तकनीकि सेवाएं सहित मीटर व केवल सर्विस संबंधी समस्याओं का समाधान किया जाएगा। मंत्री श्री सारंग ने अपने संबोधन में कहा कि भाजपा की सरकार में जनता को सरकार के द्वार नहीं आना पड़ता बल्कि सरकार जनता के द्वार आकर समस्याओं का हल करती है। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में केवल बिजली के बिल आते थे बिजली नहीं वहीं बिजली के संकट से जूझने वाला मध्यप्रदेश आज भाजापा की सरकार में बिलजी आपूर्ति में देश के अग्रणी राज्यों में से एक है। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन व मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश के हर क्षेत्र में विकास और कल्याण सुनिश्चित किया जा रहा है। मंत्री श्री सारंग ने जानकारी देते हुए बताया कि संपर्क अभियान के तहत प्रत्येक माह विभिन्न क्षेत्रों में 8 विशेष शिविर आयोजित किए जाएंगे। जिनके माध्यम से नागरिकों की समस्याओं का प्रभावी निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इन शिविरों के माध्यम से आमजन को सरल, सुलभ एवं पारदर्शी सेवाएँ उपलब्ध कराई जाएंगी। इस दौरान उन नागरिकों को प्रमाण पत्र भी वितरित किए गए जिनकी समस्याओं का समाधान 24 घंटे के भीतर किया गया।

उक्त कार्यक्रम में भोपाल महापौर श्रीमती मालती राय, नगर निगम कमिश्नर श्रीमती संस्कृति जैन, स्थानीय जनप्रतिनिधिगण, रहवासियों सहित संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

भारत की रक्षा हेतु मुंबई में 17 मई को 'श्री राजमातंगी महायज्ञ'

दैनिक कारखाने का सफर। मुंबई

- वर्तमान में विश्व पर तृतीय विश्वयुद्ध के काले बादल मंडरा रहे हैं। ऐसे समय में केवल राजनीतिक अथवा बौद्धिक स्तर के प्रयास पर्याप्त नहीं हैं, बल्कि राष्ट्र को आध्यात्मिक आधार की भी अत्यंत आवश्यकता है। इसी उदात्त उद्देश्य से भारत को अभेद्य आध्यात्मिक सुरक्षा कवच प्राप्त हो तथा देश की सर्वांगीण प्रगति होकर पुनः एक बार 'रामराज्य' की स्थापना हो, इस संकल्प की पूर्ति हेतु सनातन संस्था की ओर से मुंबई में 'श्री राजमातंगी महायज्ञ' का आयोजन किया गया है। रविवार, 17 मई 2026 को प्रभादेवी स्थित श्री सिद्धिविनायक मंदिर के पीछे स्थित नर्दुल्ला टैंक मैदान में दोपहर 3.30 बजे से सायं 7.30 बजे तक यह यज्ञ समारोह अत्यंत मंगलमय वातावरण में सम्पन्न होगा। यह जानकारी सनातन संस्था के प्रवक्ता श्री. अभय वर्तक ने मुंबई मराठी पत्रकार संघ में आयोजित पत्रकार परिषद में दी। इस अवसर पर संस्था के राष्ट्रीय प्रवक्ता श्री. चेतन राजहंस, पुरोहित एवं ज्योतिर्विद श्री श्रेयस पिसोळकर तथा महाराष्ट्र मंदिर महासंघ के नवी मुंबई समन्वयक श्री. कैलास पाटील उपस्थित थे। इस अवसर पर यह भी स्पष्ट किया गया कि यह महायज्ञ केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि राष्ट्ररक्षा का एक आध्यात्मिक अभियान है।

इस यज्ञ के आध्यात्मिक महत्त्व को स्पष्ट करते हुए श्री. अभय वर्तक ने कहा कि,आदिशक्ति देवी सती के क्रोध से प्रकट हुई 'दशमहाविद्याओं' में मातंगी देवी का स्थान अत्यंत विशिष्ट है। देवी मातंगी को आदिशक्ति की 'प्रधानमंत्री' अर्थात प्रमुख सलाहकार माना जाता है। शत्रुओं पर विजय प्राप्त करने तथा प्रतिकूल परिस्थितियों पर नियंत्रण पाने के लिए इस देवी की उपासना अत्यंत फलदायी मानी जाती है। ऐतिहासिक संदर्भ देते हुए उन्होंने बताया कि त्रेतायुग में प्रभु श्रीराम के अवतार काल में भी राजमातंगी देवी का तत्व कार्यरत था, जिसके कारण आदर्श रामराज्य की स्थापना संभव हुई। वर्तमान समय में भी ऐसी ही दैवी शक्ति के आशीर्वाद से भारत की रक्षा हो, यही इस यज्ञ का मुख्य उद्देश्य है। इस महायज्ञ का सबसे बड़ा आकर्षण होगा 1 हजार वर्ष पूर्व आक्रमणकारी महमूद गजनवी द्वारा खंडित किए गए सोरटी सोमनाथ ज्योतिर्लिंग के दिव्य अंशों का दर्शन ! इतिहास के साक्षी ये पवित्र अवशेष यहां दर्शनार्थ रखे जाएंगे, जो श्रद्धालुओं के लिए अत्यंत दुर्लभ अवसर होगा, ऐसा श्री. चेतन राजहंस ने कहा। यज्ञ का प्रारंभ महासंकल्प, श्री गणेश आवाहन और पुण्याहवाचन से होगा तथा श्री राजमातंगी देवी के मूल मंत्रों के जयघोष के बीच आहुतियां अर्पित की जाएंगी। यज्ञ का पौरोहित्य इरोड, तामिलनाडू के शिवागम विद्यानिधी आगमाचार्य श्री. अरुणकुमार गुरुमूर्ती करेंगे तथा शिवाचार्य श्री. गुरुमूर्ती हे यज्ञ मुख्य आचार्य रहेंगे, ऐसा पुरोहित एवं ज्योतिर्विद श्री. श्रेयस पिसोळकर ने बताया। इस यज्ञ में मुंबई, ठाणे, रायगढ़ और पालघर जिलों के अनेक मंदिरों के विश्वस्त एवं पुजारी सहभागी होंगे, ऐसी जानकारी महाराष्ट्र मंदिर महासंघ के नवी मुंबई समन्वयक श्री. कैलास पाटील ने दी।

सनातन संस्था द्वारा अब तक 750 से अधिक यज्ञ-अनुष्ठान सम्पन्न किए जा चुके हैं। इस यज्ञ समारोह में विभिन्न क्षेत्रों के मान्यवर, संत-महंत, राज्य सरकार के मंत्री, हिंदुत्वनिष्ठ संगठनों के पदाधिकारी, विचारवंत, अधिवक्ता तथा उद्योजकों सहित लगभग 5 हजार श्रद्धालुओं की उपस्थिति अपेक्षित है। सनातन संस्था के संस्थापक सच्चिदानंद परब्रह्म डॉ. जयंत आठवले ने जिस मुंबापुरी से धर्मकार्य का श्रीगणेश किया, उसी नगरी में आयोजित यह महायज्ञ राष्ट्रनिर्माण की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम सिद्ध होगा, ऐसा विश्वास संस्था की ओर से व्यक्त किया गया। सभी धर्मप्रेमी हिंदुओं से परिवार सहित इस समारोह में उपस्थित रहने का आवाहन श्री. अभय वर्तक ने किया है।

निर्वाचन कार्यक्रम एवं दिशा-निर्देश जारी

नामदेव समाज विकास परिषद के प्रांतीय चुनाव 16 एवं 17 मई को

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

नामदेव समाज विकास परिषद की प्रांतीय कार्यकारिणी निर्वाचन 2026-29 के अंतर्गत चुनाव संबंधी कार्यक्रम एवं दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं। निर्वाचन समिति के मीडिया प्रभारी शिवरतन नामदेव ने जानकारी देते हुए बताया कि संपूर्ण चुनाव प्रक्रिया पूर्ण पारदर्शिता, निष्पक्षता एवं अनुशासन के साथ संपन्न कराई जाएगी।

मुख्य चुनाव अधिकारी अजय कुमार नामदेव एडवोकेट द्वारा जारी निर्वाचन कार्यक्रम के अनुसार केवल संरक्षक सदस्य एवं आजीवन सदस्य ही मतदान के पात्र होंगे। मतदाता का नाम परिषद की अधिकृत मतदाता सूची में होना तथा सदस्यता वैध एवं सक्रिय होना अनिवार्य रहेगा। मतदान के समय प्रत्येक सदस्य को अपना वैध पहचान पत्र प्रस्तुत करना होगा। बिना पहचान पत्र के किसी भी सदस्य को मतदान की अनुमति नहीं दी जाएगी।

निर्वाचन कार्यक्रम के अंतर्गत 16 मई 2026 को प्रातः 10:00 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक नामांकन प्रपत्र प्राप्त एवं जमा किए जाएंगे। इसके पश्चात दोपहर 3:00 बजे से नामांकन पत्रों की स्क्रूटनी की जाएगी तथा शाम 4:00 बजे प्रत्याशियों की अंतिम सूची जारी की जाएगी। सभी पदों हेतु नामांकन शुल्क 11,000 नगद निर्धारित किया गया है, जो किसी भी परिस्थिति में वापस नहीं किया जाएगा। मतदान प्रक्रिया 17 मई 2026 को दोपहर 1:00 बजे से शाम 6:00 बजे तक आयोजित की जाएगी। निर्धारित समय के पश्चात भी मतदान परिसर में उपस्थित सभी सदस्यों को मतदान करने की अनुमति प्रदान की जाएगी। शाम 7:00 बजे से मतगणना प्रारंभ कर निर्वाचन परिणाम घोषित किए जाएंगे।

निर्वाचन समिति द्वारा स्पष्ट किया गया है कि मतदान गुप्त मतदान पद्धति से कराया जाएगा। मतपत्र पर निर्धारित स्थान पर ही मुहर अथवा चिन्ह लगाना अनिवार्य होगा। किसी एक पद हेतु एक से अधिक प्रत्याशियों को चिन्हित करने, गलत तरीके से निशान लगाने, मतपत्र पर हस्ताक्षर अथवा पहचान चिन्ह अंकित करने अथवा क्षतिग्रस्त मतपत्र प्रस्तुत करने की स्थिति में मत अमान्य माना जाएगा।

चुनाव के दौरान मतदान केंद्र पर शांति एवं अनुशासन बनाए रखना अनिवार्य रहेगा। किसी भी प्रकार का प्रचार-प्रसार, नारेबाजी अथवा दबाव बनाना पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। नियमों का उल्लंघन करने वाले सदस्य का मतदान अधिकार निरस्त किया जा सकता है। साथ ही किसी भी व्यक्ति को मतदान स्थल पर फायर आर्म्स अथवा निजी सुरक्षा कर्मियों के साथ प्रवेश की अनुमति नहीं होगी।

संपूर्ण निर्वाचन प्रक्रिया मुख्य निर्वाचन अधिकारी एवं निर्वाचन समिति की निगरानी में संपन्न होगी। किसी भी प्रकार के विवाद की स्थिति में मुख्य निर्वाचन अधिकारी एवं निर्वाचन समिति का निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा।

निर्वाचन से संबंधित समस्त कार्यक्रम 16 एवं 17 मई 2026 को नामदेव समाज सामुदायिक भवन में आयोजित किए जाएंगे।

विद्युत वितरण कंपनी ने चूना भट्टी में लगाया शिविर:मौके पर समस्याओं का निराकरण

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने आज चूना भट्टी में संपर्क अभियान के तहत शिविर लगाकर उपभोक्ताओं की शिकायतों को सुना और उनका निराकरण किया. कंपनी के शाहपुरा जोन द्वारा ये शिविर अमलतास फेज तीन के गार्डन में आयोजित किया गया. शाहपुरा जोन के मैनेजर सुबोध कुमार इगले ने सुबह से ही शिविर में मौजूद रह कर लोगों की समस्याएं सुनीं.खंबे पर लगे जॉइंट बॉक्स के खुले होने की एक शिकायत पर तत्काल कार्रवाई करते हुए इगले ने बॉक्स की सफ़ाई करवाई और ढक्कन से उसे बंद करवाया.अमलतास फेज तीन रहवासी कल्याण समिति के अध्यक्ष अनिल माथुर ने सचिव अपूर्व मुद्गल और सह सचिव पल्लव शर्मा के साथ मैनेजर को आवेदन देकर कॉलोनी की समस्याओं से अवगत कराया.इगले ने समस्याओं का समाधान जल्द करने का आश्वासन दिया. इस दौरान कॉलोनी के अन्य लोगों के अलावा ज्ञान सिंह ठाकुर और मोहनलाल भटेजा भी उपस्थित थे।

हेवू भारतीय मजदूर संघ, हेस्टू (HMS) एवं भेक्टु (CITU)—के प्रतिनिधिमंडल ने कर्मचारियों की विभिन्न मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

बीएचईएल, भोपाल में जेसीएम पात्रधारी एवं मान्यता प्राप्त यूनियनों—हेवू भारतीय मजदूर संघ, हेस्टू (HMS) एवं भेक्टु (CITU)—के प्रतिनिधिमंडल ने महाप्रबंधक (मानव संसाधन) टी. यू. सिंह से भेंट कर कर्मचारियों की विभिन्न मांगों के संबंध में विस्तृत ज्ञापन सौंपा।

इस दौरान हेवू भारतीय मजदूर संघ के महामंत्री कमलेश नागपुरे, हेस्टू (HMS) के महासचिव हेमंत सिंह, भेक्टु (CITU) के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सादिक खान सहित सभी यूनियनों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

प्रतिनिधिमंडल ने नव नियुक्त आर्टिजन कर्मचारियों को समेकित वेतन के स्थान पर संशोधित वेतनमान A3 ग्रेड 29,500 + DA प्रदान किए जाने की प्रमुख मांग रखी। साथ ही कर्मचारियों के हितों से जुड़े विभिन्न मुद्दों को मजबूती से उठाया गया।

बैठक में प्रमुख रूप से सेफ्टी शूज़ की शेष राशि/सेफ्टी गिफ्ट, कार्यस्थलों पर डेजर्ट कूलर एवं रेस्ट रूम की व्यवस्था, रविवार को किए गए अतिरिक्त कार्य का नगद भुगतान, इंसेंटिव एवं रिवॉर्ड स्कीम में सुधार, चिकित्सा सुविधाओं का विस्तार, आश्रितों के हितों की सुरक्षा, अनुकंपा नियुक्ति, पेंशन लाभ, भर्ती प्रक्रिया में सुधार, वेंडर भुगतान व्यवस्था में संशोधन तथा यूनिफार्म संबंधी सुविधाओं की मांगें उठाई गईं।

कैंटीन सुविधाओं के अंतर्गत कैंटीन को सेंट्रलाइज्ड एसी युक्त करने, रोटी बनाने की नई मशीन लगाने, प्रशिक्षित कुक की भर्ती करने तथा आधुनिक किचिन विकसित करने की मांग भी प्रमुखता से रखी गई।

बोनस संबंधी मांग के अंतर्गत कर्मचारियों को पीपी बोनस 60,000 प्रदान किए जाने की मांग की गई।

महाप्रबंधक (मानव संसाधन) द्वारा सभी बिंदुओं को गंभीरता से सुना गया एवं सकारात्मक विचार करने का आश्वासन दिया गया। यूनियनों ने प्रबंधन से मांग की है कि कर्मचारियों की इन सभी मांगों पर शीघ्र निर्णय लेने हेतु जेसीएम बैठक जल्द बुलाई जाए, ताकि कर्मचारियों को न्यायोचित लाभ प्राप्त हो सके।

ट्रंप की चीन यात्रा!

ट्रंप और शी तमाम खाइयों को पाट सकेंगे, इसकी संभावना नहीं है। तनाव अनियंत्रित ना हो और मतभेद टकराव में ना बदलें, दोनों राष्ट्रपति इतनी उम्मीद भी जगा पाए, तो ट्रंप की यात्रा सफल मानी जाएगी। अमेरिकी राष्ट्रपति की आज से शुरू हो रही बीजिंग यात्रा की पुष्टि चीन ने सोमवार को जाकर की, जबकि डॉनल्ड ट्रंप इसको लेकर महीनों से सार्वजनिक रूप से उत्साह जताते रहे हैं। यात्रा के कार्यक्रम की औपचारिक घोषणा के साथ ही बताया कि चीन के राष्ट्रपति से ट्रंप की वार्ता का एजेंडा तय करने के लिए 12-13 मई को दक्षिण कोरिया के में दोनों के देशों के वरिष्ठ नेता बातचीत करेंगे। ये दोनों तथ्य अमेरिका और चीन के बीच मौजूद खाई के प्रमाण हैं। अतः नौ साल बाद अमेरिकी राष्ट्रपति चीन पहुंच जरूर रहे हैं, लेकिन इस दौरान चीन से संबंध में कोई खास प्रगति होगी, इसकी संभावना कम ही है। ट्रंप फिलहाल चीन से तनाव घटाना चाहते हैं, ताकि चीन केंद्रित आपूर्ति श्रृंखला पर जिन महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों में अमेरिका निर्भर है, उनमें उसकी तैयारियों पर विपरीत प्रभाव ना पड़े। साथ ही वे अमेरिका के कृषि एवं अन्य उत्पादों के लिए चीनी बाजार को और खुलवाना चाहते हैं। अमेरिका की शिकायत है कि पिछले अक्टूबर में दक्षिण कोरिया के बुसान में हुई मुलाकात के दौरान शी जिनपिंग ने सोयाबीन सहित कृषि उत्पादों की जितनी खरीद का वादा किया, चीन ने उसे नहीं निभाया। उधर ट्रंप की यात्रा से चीन की अपेक्षाएं अलग हैं। उसकी पहली मांग है कि ट्रंप ताइवान की आजादी का समर्थन ना करने का एलान करें। फिर चीन के ऊर्जा स्रोतों को बाधित करने, हाई टेक में चीनी कंपनियों पर प्रतिबंध और भू-राजनीतिक संबंधी दबावों के मुद्दे से संबंधित मुद्दे शी की निगाह में अहम हैं। इसके अलावा ईरान युद्ध से पैदा हुए हालात हैं, जिनमें अमेरिका और चीन दो अलग धुरियों पर खड़े हैं। गुरुवार को होने वाली शिखर वार्ता में ट्रंप और शी इन सारी खाइयों को पाट सकेंगे, इसका भरोसा किसी को नहीं है। इसलिए तनाव अनियंत्रित ना हो और मतभेद टकराव में ना बदलें, दोनों राष्ट्रपति इतनी उम्मीद भी जगा पाए, तो ट्रंप की यात्रा सफल मानी जाएगी। वैसे, अपने स्वभाव के मुताबिक ट्रंप का ध्यान अपनी जीत दिखाने वाली कुछ दिखावटी उपलब्धियों पर भी रहेगा, जिसे प्रदान करने में चीन को शायद ज्यादा दिक्कत नहीं होगी।

विनेश फोगट का संघर्ष!

देश के लिए पदक की दावेदारी करने वाली एक साहसी खिलाड़ी की राह उस संस्था ने बाधित की है, जिस पर खेल को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी है। इससे पूरे भारतीय खेल ढांचे की विद्रुपताएं बेनकाब हुई हैं। अंतरराष्ट्रीय ख्याति की पहलवान विनेश फोगट और भारतीय कुश्ती परिसंघ (डब्लूएफआई) के बीच का ताजा विवाद भारत के खेल ढांचे और वहां मौजूद खिलाड़ी विरोधी माहौल की नायाब मिसाल है। विनेश अगले ओलिंपिक खेलों में फिर से भाग लेना चाहती हैं। इस क्रम में नेशनल ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए रजिस्ट्रेशन संबंधी औपचारिकताएं उन्होंने पूरी। लेकिन डब्लूएफआई ने उन्हें इसमें भाग नहीं लेने दिया। उसने विनेश पर "अनुशासन तोड़ने, एंटी-डोपिंग नियम के उल्लंघन और राष्ट्रीय शर्मिंदगी लाने" का आरोप लगा रखा है। इस कारण अगले 26 जून तक विनेश घरेलू प्रतियोगिताओं में भाग नहीं ले सकतीं। विनेश पर ये आरोप लगे, क्योंकि वे उन छह महिला पहलवानों में शामिल हुईं, जिन्होंने डब्लूएफआई के पूर्व प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था। बहरहाल, उससे सिंह का तो कुछ नहीं बिगड़ा, उलटे विनेश एवं अन्य पहलवानों को "राष्ट्रीय शर्मिंदगी" का दोषी बता दिया गया! चूंकि नेशनल ओपेन रैंकिंग टूर्नामेंट का आयोजन सिंह के राजनीतिक गढ़ गोंडा में आयोजित हुआ, तो वहां जाने से पहले विनेश ने यह सार्वजनिक कर दिया कि आरोप लगाने वाली पहलवानों में एक वे थीं। बाकी पहलवानों के नाम गोपनीय हैं, और उन्होंने संभवतः अपनी असहाय स्थिति को स्वीकार कर लिया है। मगर विनेश ने अपना संघर्ष जारी रखा है। कहा है कि संबंधित अंतरराष्ट्रीय संस्था ने उन्हें डोपिंग के आरोप से मुक्त कर दिया है। यह भी कहा कि उनका ये दावा गलत साबित हो, तो उन्हें जो वाजिब हो, वो दंड दिया जाए। मगर फिलहाल टूर्नामेंट में भाग लेने दिया जाए, क्योंकि इससे ओलिंपिक और एशियन खेलों में उनकी भागीदारी जुड़ी है। लेकिन डब्लूएफआई विनेश को बाहर रखने पर अड़ा रहा। इस तरह हाल ही मां बनने के बाद फिर से खुद को संभाल कर देश के लिए पदक की दावेदारी करने वाली एक साहसी खिलाड़ी की राह उस संस्था ने बाधित कर दी, जिस पर खेल और खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी है। इससे पूरे भारतीय खेल ढांचे की विद्रुपताएं और वहां मौजूद खिलाड़ी विरोधी रुझान बेनकाब हुए हैं- इसलिए कि इसका शिकार होने वाली विनेश अकेली खिलाड़ी नहीं हैं।

कक्षा में बच्चे हैं पर शिक्षा अनुपस्थित!

पूरी शिक्षा व्यवस्था कक्षा में "उपस्थिति" के उत्पादन पर केंद्रित हो गई, "सीखने" पर नहीं। बच्चा स्कूल में है—यह पर्याप्त माना जाने लगा, चाहे वह कुछ भी सीख रहा हो या नहीं। यह साधारण भ्रष्टाचार नहीं है। यह एक नीति-तर्क है जो कागज़ पर ठीक दिखता है, लेकिन व्यवहार में राष्ट्र की सीखने की क्षमता को खोखला करता है। 2022 में भारत की शिक्षा हालात सालाना रिपोर्ट (ASER) ने एक ऐसी सच्चाई उजागर की है, जिसे सुनते ही देश को एक शैक्षिक आपातकाल की तरह लेना चाहिए। रिपोर्ट बताती है कि पाँचवीं कक्षा के आधे से अधिक बच्चे दूसरी कक्षा का भी पाठ ठीक से नहीं पढ़ सकते और लगभग दो-तिहाई बच्चे साधारण भाग (division) तक नहीं कर पाते। ये वे बच्चे नहीं थे जो स्कूल से बाहर थे। ये वे बच्चे थे जो पाँच साल से कक्षा में बैठ रहे थे, उपस्थिति दर्ज करा रहे थे, और फिर भी सीखने के स्तर पर लगभग शून्य के आसपास थे। यह कोई अपवाद नहीं था। ASER 2005 से लगातार यही संकेत मिल रहा है। फर्क केवल इतना है कि अब राज्य ने पहली बार इससे आँखें फेरना बंद किया।

सरकारी भाषा में, विशेषकर नीति आयोग की रिपोर्ट में, एक सावधान-सी स्वीकारोक्ति दिखाई देती है—"पहुँच" और "शिक्षा" एक नहीं हैं। यह स्वीकारोक्ति देर से आया हुआ सत्य है। और ठीक इसी कारण यह उपलब्धि भी है और अभियोग भी। भारत ने इतिहास की सबसे बड़ी शिक्षा-व्यवस्था खड़ी की हुई है, लेकिन भीतर से यह संरचना खाली याकि खोखा है।

यह व्यवस्था एक उत्तर-औपनिवेशिक विचार पर बनी थी—जिसका उद्देश्य गलत नहीं था, लेकिन निष्पादन गहराई से त्रुटिपूर्ण रहा। मान लिया गया कि असली समस्या शिक्षा से वंचित रह जाना है। इसलिए समाधान भी सरल माना गया—स्कूल बनाइए, उपस्थिति सुनिश्चित कीजिए, मिड-डे मील दीजिए, और "लोकतांत्रिक लाभांश" अपने आप आएगा।

इस सोच के तहत भारत ने असाधारण पैमाने पर काम किया। लगभग 15 लाख स्कूल बने, और लगभग 25 करोड़ बच्चे नामांकित हुए। आज अधिकांश गाँवों में स्कूल पैदल दूरी पर हैं। दृश्यता के स्तर पर यह एक बड़ी सफलता है।

लेकिन इसी सोच में एक मौलिक त्रुटि छिपी थी—यह मान लेना कि कक्षा में बैठा बच्चा स्वाभाविक रूप से सीख रहा है। इस धारणा को कभी गंभीरता से परखा नहीं गया; इसे व्यवस्था में स्थायी सत्य की तरह शामिल कर दिया गया।

हर नया स्कूल एक उद्घाटन बन गया, हर नामांकन संख्या एक रिपोर्ट। इमारतें दिखाई देने लगीं, आँकड़े प्रकाशित होने लगे, और दृश्यता राजनीतिक पूँजी में बदल गई। लेकिन सीखना—जो सबसे कठिन, सबसे धीमा और सबसे कम दृश्य परिणाम देने वाली प्रक्रिया है—लगभग अदृश्य रह गया।

नतीजा एक ऐसी व्यवस्था के रूप में सामने आया है जिसे "शिक्षा का पोटेमकिन गाँव" कहा जा सकता है—बाहर से पूर्ण, भीतर से खोखला।

2009 में PISA परीक्षण ने इस वास्तविकता को और स्पष्ट कर दिया था। भारतीय छात्र लगभग सभी देशों के नीचे के स्तरों पर रहे। परिणाम इतना असहज था कि भारत ने आगे की रैंकिंग में भाग लेना ही बंद कर दिया। बाद में विश्व बैंक के Human Capital Index में भारत 174 देशों में 116वें स्थान पर दिखाई दिया। हमने असफल होना बंद नहीं किया; हमने उसे मापना बंद कर दिया। इस स्थिति को समझने के लिए "प्रमाण-पत्र जाल" (Credentialism Trap) महत्वपूर्ण है। ग्रामीण भारत में शिक्षा का प्रमाणपत्र अक्सर कौशल का संकेत नहीं, बल्कि सरकारी नौकरी की उम्मीद का प्रतीक बन गया है। इसने पूरे ढांचे को एक अलग दिशा दे दी। 2009 का Right to Education Act इस दिशा में निर्णायक था। कक्षा 8 तक किसी बच्चे को रोका नहीं जा सकता—यह प्रावधान सीखने की न्यूनतम जवाबदेही को ही कमजोर कर देता है। शिक्षक पर परिणाम का दबाव घट गया, और विद्यालयों पर वास्तविक सीखने का दायित्व अस्पष्ट हो गया।

इसका परिणाम यह हुआ कि पूरी व्यवस्था "उपस्थिति" के उत्पादन पर केंद्रित हो गई, "सीखने" पर नहीं। बच्चा स्कूल में है—यह पर्याप्त माना जाने लगा, चाहे वह कुछ भी सीख रहा हो या नहीं। यह साधारण भ्रष्टाचार नहीं है। यह एक नीति-तर्क है जो कागज़ पर ठीक दिखता है, लेकिन व्यवहार में राष्ट्र की सीखने की क्षमता को खोखला करता है।

इस विफलता का प्रभाव केवल शिक्षा तक सीमित नहीं है। यह सीधे भारत की जनसांख्यिकीय संरचना से जुड़ता है। देश की औसत आयु लगभग 28 वर्ष है—जिसे "डेमोग्राफिक डिविडेंड" कहा जाता है। लेकिन लाभांश अपने आप नहीं आता। वह केवल तब मूल्यवान होता है जब मानव पूँजी मजबूत हो। यदि बड़ी आबादी बुनियादी समझ, विश्लेषण और अनुकूलन क्षमता से वंचित हो, तो यह लाभांश नहीं, एक दीर्घकालिक बोझ बन जाता है।

चीन ने 1990 के दशक में इस खतरे को गंभीरता से लिया। कठोर तरीकों के बावजूद, उसने सीखने के स्तर को सुधारने पर जोर दिया—राष्ट्रीय मूल्यांकन, शिक्षक जवाबदेही और मानकीकृत परिणामों के माध्यम से। वियतनाम ने भी यही किया। उसने यह राजनीतिक निर्णय लिया कि सफलता नामांकन से नहीं, सीखने के परिणामों से मापी जाएगी।

भारत ने अभी तक यह निर्णायक परिवर्तन नहीं किया है।

आज हमारी अर्थव्यवस्था एक "सेवा-आधारित" मॉडल पर निर्भर है, जिसमें केवल एक छोटा, अत्यधिक प्रशिक्षित वर्ग आगे बढ़ता है। बाकी बड़ी आबादी उस दुनिया में प्रवेश कर रही है, जहाँ रूटीन काम भी स्वचालित हो रहे हैं।

नीति रिपोर्ट की रिपोर्ट का महत्व इस बात में है कि वह समस्या को स्पष्ट रूप से पहचानती है—विशेषकर "Foundational Literacy and Numeracy" पर जोर। लेकिन समस्या की पहचान और उसका समाधान एक नहीं होते। यदि प्रणाली की मूल प्रेरणा नहीं बदली, तो केवल प्रशिक्षण या तकनीक पर्याप्त नहीं होंगे।

इसलिए तीन स्तरों पर बदलाव आवश्यक है—

पहलाःजवाबदेही का विकेंद्रीकरण।

शिक्षक की प्रभावशीलता का मूल्यांकन केवल ऊपर से नहीं, बल्कि स्थानीय स्तर पर भी होना चाहिए।

दूसराः रटंत संस्कृति से बाहर निकलना।

हमारी परीक्षा प्रणाली स्मृति को पुरस्कृत करती है, सोचने की क्षमता को नहीं। यह असंतुलन भविष्य की अर्थव्यवस्था के लिए गंभीर जोखिम है।

तीसराः सीखने को मापना।

नामांकन आसान है, सीखने को मापना कठिन है—लेकिन यही वास्तविकता है। और जो मापा नहीं जाता, वह नीति में महत्व नहीं पाता।

भारत के पास शायद केवल एक पीढ़ी का समय है—वर्तमान प्राथमिक विद्यालय के बच्चे—इस अंतर को भरने के लिए। हमने कक्षा की भौतिक संरचना जीत ली है। अब चुनौती मानसिक संरचना को बदलने की है। बच्चे कक्षा में मौजूद हैं। अब प्रश्न यह है—क्या हम उन्हें वास्तव में कुछ सीखने योग्य देंगे?

–सतीश झा

मंत्री तय करने में भाजपा क्यों देरी कर रही!

भारतीय जनता पार्टी दो राज्यों में चुनाव जीती है और दोनों राज्यों में उसके मुख्यमंत्रियों ने शपथ ग्रहण कर ली है। पश्चिम बंगाल में शुभेंदु अधिकारी और असम में हिमंत बिस्वा सरमा सीएम बने हैं। लेकिन हैरानी की बात है कि दोनों राज्यों में मुख्यमंत्री के साथ चुनिंदा मंत्रियों ने ही शपथ ली। पश्चिम बंगाल शुभेंदु के साथ दिलीप घोष, अशोक कीर्तनिया, खुदीराम टुडू, निशीथ प्रमाणिक और अग्निमित्रा पॉल यानी पांच मंत्रियों ने शपथ ली। सोचें, राज्य में 44 मंत्री बनाए जा सकते हैं लेकिन मुख्यमंत्री सहित सिर्फ छह मंत्री बने हैं। ऐसे ही असम में मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के साथ सिर्फ चार मंत्रियों ने शपथ ली। भाजपा के दो नेताओं रामेश्वर तेली और अजंता नियोग मंत्री बने हैं तो असम गण परिषद से अतुल बोरा और बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट से चरण बोरा को शपथ दिलाई गई है। असम में 18 मंत्री बन सकते हैं। ऐसा नहीं है कि दोनों राज्यों में आनन फानन में सरकार बनी है। नतीजा आने के पांच दिन बाद बंगाल में और आठ दिन बाद असम में सरकार बनी है। असम में तो 10 साल से भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार है। यह तीसरी लगातार सरकार बनी है। तभी भी इतने कम मंत्रियों के साथ शपथ हुई है। पार्टी के जानकार नेताओं का कहना है कि असम में ज्यादातर चेहरे बदले जा सकते हैं। भाजपा अपने कोटे के मंत्रियों में बड़ी फेरबदल करेगी। इसलिए अभी कम मंत्री बनाए गए हैं। इसी तरह बंगाल में सारे नए मंत्री ही बनने हैं इसलिए वहां फैसला करने में देरी हो रही है। वैसे तमिलनाडु में भी 35 मंत्री बन सकते हैं लेकिन शपथ मुख्यमंत्री के साथ नौ मंत्रियों की ही हुई है।

"गर्मी 2026ः स्थगित छुट्टियाँ"!

2026 गर्मियों का नया अहसास लिए हुए है। न केवल मौसम बदला हुआ है, बल्कि गर्मियों की छुट्टियों का बोझ भी बढ़ा हुआ है। मौसम किसी यात्रा की संभावना नहीं, बल्कि ठहरा देने, रोक देने का मनोभाव लिए हुए है। घरों के भीतर छुट्टियों की योजनाएँ अचानक समाप्त नहीं हो रहीं, बल्कि चुपचाप गायब हो गई हैं। जबकि कुछ महीने पहले तक जिन बातचीतों में वीज़ा, होटल और यात्रा कार्यक्रम सहजता से सुने जाते थे, वहाँ अब केवल यह छोटा और थका हुआ वाक्य बचा है—"देखते हैं"—जो किसी विकल्प या संभावना की शुरुआत नहीं, बल्कि निर्णय के मौन अंत जैसा लगता है। सब कुछ टलता हुआ है। कभी गर्मियाँ प्रतीक्षा की तरह आती थीं। वह समय था जो यात्राओं, छुट्टियों, रेलवे स्टेशन और एयरपोर्ट लाउंज की हल्की हलचल के बीच जीवन को थोड़ा सुस्त कर देता था। फुर्सत का एक अलग ही संसार होता था। कहीं न कहीं जाने का इरादा, छोटे कैफ़े की तस्वीरें और किसी दूर शहर की कल्पना मिलकर यह अहसास बनाते थे कि घूमने के लिए दुनिया खुली है। मनुष्य का समय पूरी तरह मशीनी या नियंत्रित नहीं है। खासकर युवा और वयस्क जीवन के भीतर यह उम्मीद पलती रहती थी कि साल का एक हिस्सा ऐसा होगा जो केवल जीने और घूमने के लिए होगा, बिना हिसाब-किताब और रोजमर्रा के दबावों के। धीरे धीरे यह केवल मौसम नहीं रह जाता, बल्कि एक पीढ़ीगत स्थिति बन जाती है। खासकर इस समय में जिसमें मिलेनियल युवा पीढ़ी निर्णायक है। इस पीढ़ी का जीवन स्थगन की संरचना में ढल गया है। घर बसाना तब तक टलता है जब तक आय स्थिर न हो जाए, विवाह तब तक टलता है जब तक करियर सुरक्षित न लगे, बच्चे तब तक टलते हैं जब तक जीवन नियंत्रित न महसूस हो, और आराम हमेशा अगले चरण के पीछे खिसकता रहता है, जिससे जीवन आगे तो बढ़ता है, लेकिन उसे सहजता के साथ जीने की जगह लगातार सिकुड़ती जाती है। इसी क्रम में यह वर्ष एक और गर्मी लेकर आया है। यह भीतर से थकी हुई, अस्थिर और लगभग मौन महसूस होती है, क्योंकि इसके पीछे केवल घरेलू अर्थव्यवस्था नहीं, बल्कि एक वैश्विक अस्थिरता भी है जो अब सीधे निजी जीवन के भीतर प्रवेश कर चुकी है। वॉशिंगटन से लेकर पश्चिम एशिया तक फैला तनाव अब केवल समाचार नहीं रहा, बल्कि हवाई किरायों, विदेशी मुद्रा और घरेलू बजट की वास्तविक भाषा बन चुका है। जाहिर है, दुनिया के निर्णय कहीं दूर लिए जाते हैं, लेकिन उनका भार अब घरों के भीतर गहराई से महसूस किया जा रहा है। यहीं से ठहराव, रुकावट अब किसी एक व्यक्ति का व्यक्तिगत अनुभव नहीं है, बल्कि एक वैश्विक मनोविज्ञान बन चुकी है। कोविड महामारी के बाद जिस स्थिरता की उम्मीद की गई थी, वह पूरी तरह लौट नहीं पाई है। फर्क केवल इतना है कि इस बार ठहराव सामूहिक नहीं है, क्योंकि महामारी के समय दुनिया एक साथ रुकी थी—सीमाएँ बंद थीं, एयरपोर्ट खाली थे और भय साझा था। लेकिन आज का ठहराव विभाजित है, जहाँ कुछ लोग आगे बढ़ते रहते हैं और बाकी लोग धीरे धीरे पीछे हटते जाते हैं, जबकि यात्रा अब भी मौजूद है लेकिन सभी के लिए समान रूप से उपलब्ध नहीं है। यूरोप में शहर भरे रहते हैं, बाली की तस्वीरें लगातार स्क्रीन पर चलती रहती हैं और अमाल्फी कोस्ट से सूर्यास्त पोस्ट होते रहते हैं, लेकिन उसी समय एक बड़ा वर्ग हवाई किरायों, करेंसी की गिरावट और बढ़ती लागत के बीच अपने निर्णयों को टालता रहता है। इस तरह दुनिया खुली हुई है, लेकिन पहुँच समान नहीं है। इससे यह स्पष्ट हो जाता है कि इस समय की असहजता बंदीकरण नहीं, बल्कि दृश्यता है, क्योंकि सब कुछ मौजूद है—उड़ानें, समुद्र तट, रिसॉर्ट और अवकाश की कल्पना—लेकिन उनकी पहुँच धीरे धीरे सीमित होती जा रही है। इसे मिलेनियल पीढ़ी सबसे गहराई से महसूस करती है, क्योंकि उन्हें एक ऐसी दुनिया का वादा मिला था जो अधिक खुली, अधिक गतिशील और अधिक सुलभ होगी, जहाँ मेहनत के बाद जीवन व्यापक रूप से जिया जा सकेगा। लेकिन वयस्कता उस वादे के अनुरूप नहीं आई, बल्कि लगातार व्यवधानों की श्रृंखला में बदल गई, जिसमें आर्थिक संकट, अस्थिर नौकरियाँ, महामारी, युद्ध, महँगाई और आवास संकट शामिल हैं। अब हर योजना हिसाब-किताब का बोझ बन चुकी है और हर निर्णय के भीतर एक अतिरिक्त सावधानी छिपी रहती है। यात्रा अब केवल यात्रा नहीं रही, बल्कि लागत, मुद्रा, समय और जोखिम का संयुक्त समीकरण बन चुकी है। इससे घरेलू पर्यटन भी अछूता नहीं है, क्योंकि पहाड़ अब केवल राहत नहीं, बल्कि भीड़ और अव्यवस्था का अनुभव हैं, समुद्र मानसून में खो जाते हैं और घर, जो कभी विश्राम का स्थान था, अब काम, तनाव और प्रतीक्षा का मिश्रण बन चुका है। आराम भी अब स्वाभाविक नहीं रहा, बल्कि एक योजना बन गया है। इसीलिए यह गर्मी केवल मौसम नहीं है, बल्कि एक सामाजिक संकेत है, एक ऐसी दुनिया का प्रतिबिंब जिसमें सहजता धीरे धीरे समाप्त हो रही है, जहाँ लगभग हर चीज़ प्लानिंग मांगती है, हर अनुभव बजट मांगता है और हर यात्रा के पीछे एक मानसिक गणना चलती रहती है। और फिर भी जब आराम आता है, तो वह शांति नहीं लाता, बल्कि चिंता, गणना और खर्च का हल्का अपराधबोध लेकर आता है। मिलेनियल्स अब उस पीढ़ी में बदल रहे हैं जो लगातार उस क्षण की प्रतीक्षा करती है जब दुनिया पर्याप्त स्थिर हो जाएगी ताकि जीवन वास्तव में शुरू किया जा सके। लेकिन वह क्षण बार बार आगे खिसकता रहता है और हर वर्ष एक नई बाधा जोड़ देता है। शायद इसी कारण यह गर्मी केवल मौसम नहीं लगती, बल्कि एक मानसिक अवस्था है जो थकी हुई, सतर्क और धीरे धीरे उम्मीद से खाली होती जाती है।

दुनिया बंद नहीं हुई है, लेकिन वह इतनी खुली रह गई है कि अब लगातार यह याद दिलाती रहती है कि पहुँच और संभावना के बीच की दूरी कितनी तेजी से बढ़ रही है।

–श्रुति व्यास

पाकिस्तान खरीद रहा जे-35, भारत ने भी साफ किया 114 राफेल का रास्ता, जानें दोनों की ताकत

एजेंसी इस्लामाबाद

पाकिस्तान अपनी हवाई शक्ति बढ़ाने के लिए चीन से J-35A पांचवीं पीढ़ी के स्टील्थ लड़ाकू विमान को खरीद रहा है। दावा किया गया है कि ये विमान 2026 के अंत तक पाकिस्तानी वायुसेना के बेड़े में शामिल हो सकते हैं। इस डिलीवरी के बाद पाकिस्तान J-35A खरीदने वाले पहले विदेशी ग्राहक बन सकता है। पाकिस्तान और चीन का दावा है कि J-35A को खास तौर पर भारत के राफेल और S-400 मिसाइल सिस्टम का मुकाबला करने के लिए विकसित किया गया है। हालांकि, भारत भी अपनी हवाई शक्ति बढ़ाने के लिए 114 राफेल लड़ाकू विमानों को खरीदने वाले समझौते पर आगे बढ़ रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान 40 (लगभग दो से तीन स्क्वाड्रन) J-35A लड़ाकू विमान खरीदने की योजना बना रहा है। इसकी पहली खेप 2026 के अंत तक मिल सकती है। इस सौदे के तहत चीन पहले से ही पाकिस्तानी पायलटों को J-35A लड़ाकू विमान उड़ाने की ट्रेनिंग दे रहा है। चीन का दावा है कि J-35A लड़ाकू विमान पांचवीं पीढ़ी का है, जो स्टील्थ क्षमता से लैस है। इसमें इंटरनल वेपन बे है, जो जहाज को ज्यादा स्टील्थ बनाता है। इसके अलावा इसमें रडार-अवशोषक सामग्री का इस्तेमाल किया गया है। यह विमान यह एडवांस्ड AESA रडार और इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल टारगेटिंग सिस्टम (EOTS) से लैस है। राफेल और जे-35 दोनों ही आधुनिक लड़ाकू विमान हैं, लेकिन इनकी तकनीक, डिजाइन और हथियारों में बड़ा अंतर है। राफेल एक 4.5 जनरेशन का 'ओम्नीरोल' लड़ाकू विमान है, जबकि जे-35 चीन का नया 5वीं जनरेशन का 'स्टील्थ' फाइटर जेट है। विशेषता राफेल जे-35 पीढ़ी 4.5 जनरेशन 5वीं जनरेशन निर्माता देश फ्रांस चीन इंजन स्नेकमा M88-2 WS-13 या WS-19

स्टील्थ क्षमता कम (केवल रडार सिग्नेचर घटाया गया है) बहुत अधिक (रडार की पकड़ में न आने वाला डिजाइन) हथियार वहन की क्षमता बाहरी आंतरिक औपर बाहरी कॉम्बैट प्रूवन हां (लीबिया, सीरिया, इराक, अफगानिस्तान) नहीं (अभी परीक्षण और तैनाती के चरण में है) अधिकतम गति लगभग 1.8 मैक (2,222 किमी/घंटा) लगभग 2.0+ मैक (अनुमानित)

114 राफेल खरीदने को भारत भी तैयार भारतीय वायुसेना ने भी 114 राफेल फाइटर जेट के लिए रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल (RFP) को अंतिम रूप दे दिया है। इसके तहत 22 राफेल फाइटर जेट फ़्रांस से फ्लाई-अवे कंडीशन (यानी पूरी तरह तैयार हालत में) में खरीदे जाएँगे। बाकी 92 जेट भारत में ही बनाए जाएंगे, जिसके लिए फ़्रांस की कंपनी 'डसॉल्ट एविएशन' और भारत की किसी निजी क्षेत्र की कंपनी के बीच साझेदारी होगी। यह दुनिया का अब तक का सबसे बड़ा फाइटर जेट खरीद कार्यक्रम होगा।

भारतीय वायुसेना ने यह कदम अगले महीने एयरफोर्स चीफ एपी सिंह और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फ़्रांस दौरे से ठीक पहले उठाया गया है। प्रधानमंत्री मोदी का फ़्रांस दौरा जून के अंत में प्रस्तावित है, जिसके दौरान राफेल फाइटर जेट सौदे के लिए 'सरकार-से-सरकार' (G-to-G) समझौते की घोषणा किए जाने की संभावना है। इस डील के फाइनल होने के बाद भारत फ्रांस के बाहर पहला ऐसा देश बन जाएगा जो राफेल फाइटर जेट का निर्माण करेगा।

यूपी में आंधी-बारिश से हुई मौतों पर पसीजा पुतिन का दिल, PM मोदी को चिट्ठी लिखकर जताई संवेदना

एजेंसी मॉस्को

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चिट्ठी लिख संवेदना जताई है। उन्होंने कहा है कि उत्तर प्रदेश में चक्रवात के कारण हुई भारी जान-माल की हानि और बड़े पैमाने पर हुई तबाही पर कृपया मेरी गहरी संवेदनाएं स्वीकार करें। एक दिन पहले बुधवार को उत्तर प्रदेश के कई जिलों में आए तूफान और बारिश के कारण 100 से अधिक लोगों की मौत हुई है। तूफान के कारण व्यापक पैमाने पर नुकसान भी पहुंचा है। रूसी विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर कहा, "उत्तर प्रदेश में चक्रवात के कारण हुई भारी जान-माल की हानि और बड़े पैमाने पर हुई तबाही पर कृपया मेरी गहरी संवेदनाएं स्वीकार करें। कृपया उन लोगों के परिवारों और प्रियजनों तक मेरी सहानुभूति और समर्थन के शब्द पहुँचाएँ, जिन्होंने इस आपदा में अपनी जान गँवाई है; साथ ही, इस प्राकृतिक आपदा के परिणामस्वरूप घायल हुए सभी लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की मेरी शुभकामनाएं भी उन तक पहुंचाएं।" उत्तर प्रदेश में चक्रवात के कारण हुई भारी जान-माल की हानि और बड़े पैमाने पर हुई तबाही पर कृपया मेरी गहरी संवेदनाएं स्वीकार करें। व्लादिमीर पुतिन, राष्ट्रपति, रूस यूपी में आंधी-बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त आंधी-बारिश और आकाशीय बिजली गिरने से बीते लगभग 24 घंटे में यूपी के कई जिलों में जनहानि, पशुहानि समेत कई मकान क्षतिग्रस्त हुए हैं। बुधवार देर शाम आए तेज आंधी-तूफान ने काफी नुकसान किया है। कई जगह बड़े-बड़े पेड़ जड़ से उखड़ गए जबकि कई जगह कच्चे घर जमींदोज हो गए। घरों की दीवारें गिरने की भी कई घटनाएं हुई है। प्रदेश के कई जिलों में इस आंधी-तूफान के कारण कई लोगों की मौत हो गई। प्रदेश में कई जगह आकाशीय बिजली गिरने की घटनाएं भी हुई हैं। खराब मौसम की वजह से काफी संख्या में मकान भी क्षतिग्रस्त हुए हैं।

तालिबान ने दिया भारत को अफगान-पाक बॉर्डर का ठेका, 46 मिलियन डॉलर की बड़ी डील!

एजेंसी नुक

जब पूरी दुनिया ने अफगानिस्तान को उसके हाल पर छोड़ दिया, जब पड़ोसी देश पाकिस्तान ने भाई होने का ढोंग छोड़कर अफगानिस्तान की पीठ में छुरा घोंपा तब भारत ने एक ऐसा कदम उठाया जिसने पूरे दक्षिण एशिया की राजनीति को हिलाकर रख दिया। भारत और अफगानिस्तान के बीच 46 मिलियन डॉलर यानी करीब 400 करोड़ की एक ऐसी ऐतिहासिक डील हुई है जो सिर्फ व्यापार नहीं बल्कि पाकिस्तान की दादागिरी का अंत है। आखिर अचानक भारत ने तालिबान शासित अफगानिस्तान के साथ इतनी बड़ी इतनी भयानक डील क्यों की जब पाकिस्तान अफगानिस्तान के साथ बॉर्डर बंद करके बैठा है। झड़पें हो रही हैं और अफगान परिवार भूखे प्यासे परेशान है। तब भारत ने $6 मिलियन लगाकर यह कदम क्यों उठाया? पाकिस्तान ने तोरखम और स्पिन बोल्डक जैसे प्रमुख रास्तों को पूरी तरह से बंद कर रखा है। हजारों ट्रक सड़कों पर सड़ रहे हैं और अफगान किसानों के अंगूर, अनाज और सब्जियां मिट्टी में मिल रही है। पाकिस्तान की वजह से पाकिस्तान की सेना सीमा पर गोलीबारी कर रही है। मासूम अफगान परिवारों को जबरन उनके घरों से निकाल रही है और मासूम बच्चे दाने-दाने को मोहताज हैं। अब पाकिस्तान जो

नापाक देश है उसका मकसद साफ है अफगानिस्तान को भूखा मारो उसे इतना कमजोर कर दो कि वो घुटने पर आ जाए। इतना ही नहीं विश्व खाद्य कार्यक्रम यानी डब्ल्यूएफपी चिल्ला चिल्ला कर कह रहा है कि अफगानिस्तान पर भारी दबाव है। लेकिन ऐसे नाजुक मोड़ पर भारत खामोश नहीं बैठा। भारत ने नफरत का जवाब नफरत से नहीं बल्कि विकास और विश्वास से दिया है। अब बात करते हैं उस खबर की जिसने पाकिस्तान की रातों की नींद उड़ा दी है। भारतीय कंपनी टीसीआरसी ने अफगान नेशनल स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी यानी एएनएसए के साथ एक मेगा कॉन्ट्रैक्ट डील साइन की है। अगले 5 सालों तक भारत अफगानिस्तान के काबुल समेत नौ सबसे महत्वपूर्ण बॉर्डर पॉइंट्स पर हाईटेक अत्याधुनिक लेबोरेटरीज़ यानी लैब्स का जाल बिछा देगा। अब तक अफगानिस्तान में जो भी सामान आता था या वहां से बाहर जाता था उसकी क्वालिटी जांचने का कोई पुख्ता सिस्टम था ही नहीं। अब भारत की तकनीक, भारत की टेक्नोलॉजी से वहां भोजन, दवाएं, कंस्ट्रक्शन, मटेरियल, टेक्सटाइल और बिजली के सामानों की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जांच होगी। भारतीय कंपनी सिर्फ मशीनें नहीं लगाएंगी बल्कि पूरे सिस्टम को जो बॉर्डर एरिया के हैं उनको अपग्रेड करेंगी। अफगान स्टाफ को ट्रेनिंग भी देंगी और उन्हें आईसीओ सर्टिफिकेशन तक लेकर जाएंगी। मतलब अब दुनिया का कोई भी देश अफगान माल को लो क्वालिटी कहकर रिजेक्ट नहीं कर पाएगा। भारत ने अफगानिस्तान के हाथों में वो ताकत की चाबी दे दी है जिससे वो दुनिया के बाजारों में अपनी शर्तों पर अब व्यापार करने उतर चुका है। वो खुद को मुस्लिम उमा का रहनुमा बताता है। सच्चाई यह है कि आज अफगानिस्तान के लिए सबसे बड़ा रोड़ा, सबसे बड़ा कांटा वही बना हुआ है। पाकिस्तान चाहता है कि अफगानिस्तान हमेशा उस पर निर्भर रहे, डिपेंडेंट रहे। लेकिन भारत ने चाबहार और अब इन लैब्स के जरिए पाकिस्तान के उस ट्रांजिट फ्रूट के घमंड को मिट्टी में मिला दिया है। एएनएसए के प्रमुख फैजुल्लाह तमीम साहब ने कैमरे पर आकर भारत का शुक्रिया अदा किया।

भारत में ब्रिक्स सम्मेलन में क्यों शामिल नहीं हुए वांग यी, चीनी विदेश मंत्रालय ने तोड़ी चुप्पी, बताई वजह

एजेंसी बीजिंग

भारत में आयोजित ब्रिक्स विदेश मंत्रियों की बैठक में चीनी विदेश मंत्री वांग यी शामिल नहीं हुए हैं। उनकी जगह चीन का प्रतिनिधित्व भारत में चीन के राजदूत शू फेईहोंग ने किया है। हालांकि, चीन ने ब्रिक्स की बैठक को महत्वपूर्ण बताया है। चीन ने आधिकारिक तौर पर स्पष्ट किया है कि चीन, भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता का पूरा समर्थन करता है और बैठक की सफलता के लिए प्रतिबद्ध है। अब चीनी विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर बताया है कि विदेश मंत्री वांग यी भारत में आयोजित ब्रिक्स देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में क्यों नहीं शामिल हुए। BRICS विदेश मंत्रियों की बैठक के संबंध में पूछे गए सवालों के जवाब में कि चीन ने बैठक में शामिल होने के लिए उच्च-स्तरीय प्रतिनिधि क्यों नहीं भेजा, चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने गुरुवार को कहा कि समय की कमी (शेड्यूलिंग) के कारणों से, भारत में चीन के राजदूत शू फेईहोंग ने विदेश मंत्री वांग यी की ओर से बैठक में प्रतिनिधित्व किया। गुओ ने कहा कि BRICS उभरते बाजारों और विकासशील देशों के बीच सहयोग के लिए एक महत्वपूर्ण मंच है। चीनी विदेश मंत्रालय के अनुसार "कार्यक्रम संबंधी कारणों" से वह उपलब्ध नहीं हो सके। दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 13 मई को चीन के दौरे पर बीजिंग पहुंचे हैं। ऐसे में वांग यी उनकी मेजबानी में व्यस्त हैं। ट्रंप बुधवार को व्यापारिक नेताओं के एक समूह के साथ बीजिंग पहुंचे। उनके साथ अमेरिका के कई बड़े कारोबारी नेता भी आए हैं, जिनमें एनवीडिया के जेन्सन हुआंग, एप्पल के टिम कुक, टेस्ला और स्पेसएक्स के एलन मस्क तथा ब्लैक रॉक के लैरी फिंक सहित कई प्रमुख हस्तियां शामिल हैं। ब्रिक्स विदेश मंत्रियों की बैठक में रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव, ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची, दक्षिण अफ्रीका के रोनाल्ड लामोला और ब्राजील के माउरो विएरा सहित कई देशों के शीर्ष प्रतिनिधि शामिल हुए हैं। बैठक में हिस्सा ले रहे सभी देशों के विदेश मंत्रियों और प्रतिनिधिमंडलों ने नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी मुलाकात की है। इस बैठक में पश्चिम एशिया संकट (विशेषकर ईरान-इजरायल और मिडिल ईस्ट तनाव), वैश्विक ऊर्जा, खाद्य सुरक्षा, उर्वरक और स्वास्थ्य सुरक्षा से जुड़ी चुनौतियों पर गंभीर मंथन किया जा रहा है।

भारत के पड़ोस में तैनात होंगे अमेरिकी युद्धपोत, बांग्लादेश कर रहा डफिंस डील, शेख हसीना की आशंका सच हुई

एजेंसी ढाका

बांग्लादेश और अमेरिका रणनीतिक रक्षा समझौतों पर हस्ताक्षर करने जा रहे हैं। दोनों देशों में इस समझौते को लेकर बातचीत अंतिम चरण में है। इन समझौतों के तहत अमेरिकी सेना को बांग्लादेश के बंदरगाहों और हवाई अड्डों तक पहुंच मिल जाएगी। हालांकि, इससे भारत की टेंशन बढ़ सकती है, क्योंकि बंगाल की खाड़ी में अमेरिकी नौसेना की मौजूदगी से चीन के लिए भी उपस्थिति बढ़ाना अनिवार्य हो जाएगा। ऐसे में दशकों से शांत पड़ा यह क्षेत्र वैश्विक महाशक्तियों के बीच जंग का अखाड़ा बन सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, 5-7 मई को अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय के एक प्रतिनिधिमंडल की ढाका यात्रा के दौरान, दोनों पक्षों ने पहले से हस्ताक्षरित 'पारस्परिक व्यापार समझौते' (ART) के कार्यान्वयन की शर्तों पर चर्चा की। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रधानमंत्री तारिक रहमान को लिखे एक निजी पत्र में, भविष्य की आर्थिक रियायतों को दो रक्षा समझौतों के पूरा होने से जोड़ा है: 'सैन्य

सूचना की सामान्य सुरक्षा समझौता' (GSOMIA) और 'अधिग्रहण और क्रॉस-सर्विसिंग समझौता' (ACSA)। ACSA पर हस्ताक्षर होने से अमेरिकी जंगी जहाज और विमान बांग्लादेश के बंदरगाहों और हवाई अड्डों का उपयोग रखरखाव, ईंधन भरने और री-सप्लाई के लिए कर सकेंगे। इसमें चटगांव और मातारबारी जैसे रणनीतिक बंदरगाह भी शामिल हैं। GSOMIA समझौते के तहत बांग्लादेश और अमेरिका खुफिया जानकारियों का भी आदान प्रदान करेंगे। यह कदम अमेरिका को बंगाल की खाड़ी और चीनी ऊर्जा गलियारों से हिंद महासागर तक जाने वाले मार्गों पर लगातार निगरानी रखने का क्षेत्र प्रदान करेगा। अमेरिका इसके एवज में बांग्लादेश के कपड़ों पर 19% की रियायती टैरिफ दर और शुल्क-मुक्त व्यापार व्यवस्था को मंजूरी देगा। साथ ही, इस कदम से ढाका का भू-राजनीतिक झुकाव भी काफी हद तक बदल जाएगा, क्योंकि वह लंबे समय से बंदरगाहों के बुनियादी ढांचे के लिए चीनी निवेश पर निर्भर रहा है और अपने लगभग 70% हथियार चीन से ही प्राप्त करता है। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने आरोप लगाया था कि अमेरिका बंगाल की खाड़ी में सेंट मार्टिन द्वीप पर सैन्य अड्डा बनाने के लिए दबाव डाल रहा था, जिसे न मानने के कारण उनकी सत्ता गई। हालांकि, अमेरिका ने इन दावों को गलत बताया है। हसीना के अनुसार, यह द्वीप उन्हें सत्ता में बने रहने के बदले में मांगा जा रहा था। हसीना का दावा है कि अमेरिका को इस क्षेत्र में अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए इस द्वीप की जरूरत है, जो भारत के लिए भी सुरक्षा के लिहाज से एक चिंता का विषय है।

पाकिस्तान ने किया फतह-IV मिसाइल का परीक्षण, जानें भारत के कौन-कौन से शहर खतरे में

एजेंसी इस्लामाबाद

पाकिस्तान ने 14 मई 2026 को फतह-4 (Fatah-IV) गाइडेड मल्टीपल रॉकेट सिस्टम का सफलतापूर्वक परीक्षण किया है। यह स्वदेशी रूप से विकसित एक लंबी दूरी की सतह-से-सतह पर मार करने वाली क्रूज मिसाइल है। फतह-4 की रेंज 750 किलोमीटर है। यह मिसाइल भारत के कई प्रमुख शहरों को निशाना बना सकती है। यह परीक्षण आर्मी रॉकेट फोर्स कमांड ने किया है। इस परीक्षण को ऑपरेशन तैयारियों को जांचने के लिए किया गया है। इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस द्वारा जारी एक बयान में कहा गया कि यह हथियार प्रणाली उन्नत एवियोनिक्स और अत्याधुनिक नेविगेशनल उपकरणों से लैस है और लंबी दूरी के लक्ष्यों को अत्यधिक सटीकता के साथ भेदने में सक्षम है। बयान में आगे कहा गया, "यह प्रशिक्षण परीक्षण सैनिकों की परिचालन क्षमता को बढ़ाने और बेहतर सटीकता तथा बढ़ी हुई सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए शामिल किए गए विभिन्न उप-प्रणालियों के तकनीकी मापदंडों को सत्यापित करने के लिए किया गया था।" बयान के अनुसार, प्रशिक्षण परीक्षण के दौरान पाकिस्तान आर्मी रॉकेट फोर्स कमांड के वरिष्ठ अधिकारी, साथ ही मिसाइल विकसित करने वाली एजेंसी के वैज्ञानिक और इंजीनियर भी मौजूद थे। बयान में कहा गया कि राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, रक्षा बलों के प्रमुख और सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर, नौसेना प्रमुख एडमिरल नवीद अशरफ और वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल जहीर अहमद बाबर सिद्धू ने फतह-4 के सफल प्रशिक्षण परीक्षण की सराहना की। बाद में, गृह मंत्रालय ने एक बयान जारी कर कहा कि गृह मंत्री मोहसिन नकवी स्वदेशी रूप से विकसित Fatah-IV ज़मीन से लॉन्च होने वाली क्रूज़ मिसाइल के सफल प्रशिक्षण परीक्षण पर राष्ट्र को बधाई देते हैं। बयान में कहा गया, "यह सफल परीक्षण आर्मी रॉकेट फोर्स कमांड के वैज्ञानिकों और इंजीनियरों की एक सराहनीय उपलब्धि है... यह रक्षा क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण प्रगति है।" बयान में नकवी के हवाले से आगे कहा गयाः "मैं वैज्ञानिकों और इंजीनियरों को बधाई देता हूं। मुझे वैज्ञानिकों और इंजीनियरों पर गर्व है। पाकिस्तान की रक्षा अभेद्य है।"

फतह-4 मिसाइल की रेंज में दर्जनों भारतीय शहर शामिल हैं। इसमें मृतसर, लुधियाना, जालंधर, फिरोजपुर, फाजिल्का, पठानकोट, गुरदासपुर, पटियाला, जैसलमेर, बाड़मेर, बीकानेर, जोधपुर, फलोदी, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, नागौर, भुज, जामनगर, राजकोट, अहमदाबाद, गांधीनगर, कच्छ क्षेत्र, जम्मू, श्रीनगर, कठुआ, सांबा, बारामूला, उधमपुर, कारगिल और लेह शामिल हैं।

फतह-4 गाइडेड मल्टीपल रॉकेट सिस्टम की रेंज 750 किलोमीटर है। इस मिसाइल सिस्टम की स्पीड लगभग 865 किमी/घंटा है। फतह-4 उन्नत एवियोनिक्स, आधुनिक नेविगेशन सिस्टम और टेरेन-हगिंग फ्लाइट (जमीन के करीब उड़ना) से लैस है, जो इसे रडार से बचने में सक्षम बनाती है। फतह-4 330 किलोग्राम तक का वारहेड ले जाने में सक्षम है। फतह-4 मिसाइल का कुल वजन 1530 किलोग्राम और लंबाई 7.5 मीटर है।

क्रिकेट में टूटा जेंडर का बैरियर, सारा टेलर बनीं इंग्लैंड मैन टीम की फील्डिंग कोच

एजेंसी नई दिल्ली

इंग्लैंड की पूर्व विकेटकीपर सारा टेलर को न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी श्रृंखला के लिए सीनियर पुरुषों की टेस्ट टीम का क्षेत्ररक्षण कोच नियुक्त किया गया है। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के क्रिकेट निदेशक रॉब की ने बुधवार को यह घोषणा की। महिला क्रिकेट के इतिहास की महानतम खिलाड़ियों में से एक मानी जाने वाली 37 वर्षीय टेलर ने एंड्रयू फ्लिंटॉफ के नेतृत्व में इंग्लैंड लायंस (इंग्लैंड ए) टीम के साथ भी काम किया है। वहां उनके शानदार प्रदर्शन के चलते उन्हें सीनियर टीम के सहयोगी स्टाफ में जगह मिली है। सभी प्रारूप में कुल 226 मैच खेलने वाली टेलर ने ससेक्स की पुरुषों की टीम के साथ-साथ मैनचेस्टर ओरिजिनल्स के साथ भी काम किया है। उन्हें क्षेत्ररक्षण कोच के तौर पर एक संक्षिप्त कार्यकाल के अनुबंध की पेशकश की गई है। इस पद पर वह कार्ल हॉपकिंसन की जगह लेंगी जो फिलहाल आईपीएल में मुंबई इंडियंस के साथ काम कर रहे हैं। की ने बुधवार को संवाददाताओं से बात करते हुए कहा, ''मुझे लगता है कि वह अपने काम में माहिर और सर्वश्रेष्ठ लोगों में से एक हैं। उनका प्रदर्शन असाधारण रहा है और उन्होंने एंड्रयू फ्लिंटॉफ तथा एड बर्नी (परफोर्मेंस निदेशक) के साथ काफी काम किया है। ये दोनों ही उनकी जमकर तारीफ करते हैं। इसलिए जैसा कि हमें दिख रहा है, वह अपने क्षेत्र की सर्वश्रेष्ठ लोगों में से एक हैं।'' उन्होंने कहा, ''वह (टेलर) जिस तरह से वह अपना काम करती हैं उससे हम पूरी तरह से और अविश्वसनीय रूप से प्रभावित हैं।'' की ने कहा, ''कार्ल हॉपकिंसन की बात करें तो जैसा कि आज के क्रिकेट जगत का चलन है, वह फिलहाल मुंबई इंडियंस के साथ काम कर रहे हैं। उनके पास मुंबई इंडियंस के लिए करने को काफी काम है इसलिए हम भविष्य में किसी ना किसी समय उनकी सेवाओं का उपयोग जरूर करेंगे, बस इस श्रृंखला के लिए नहीं।

नॉर्थहैम्पटन में टॉस हुआ पर खेल नहीं, बारिश के कारण इंग्लैंड और न्यूजीलैंड दूसरा वनडे रद्द

एजेंसी नई दिल्ली

इंग्लैंड और न्यूजीलैंड महिला टीमों के बीच खेली जा रही तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज का दूसरा मुकाबला लगातार बारिश की वजह से रद्द हो गया। नॉर्थहैम्पटन में बुधवार को खेले जाने वाले इस मुकाबले में एक भी गेंद नहीं फेंकी जा सकी, जिससे दोनों टीमों और क्रिकेट प्रशंसकों को निराशा हाथ लगी है। मौजूद जानकारी के अनुसार, खराब मौसम के कारण मैच की शुरुआत पहले ही देरी से हुई थी। लगातार रुक-रुक कर हो रही बारिश के चलते निर्धारित समय दोपहर एक बजे की बजाय मुकाबला शाम चार बजे शुरू करने का फैसला लिया गया था। साथ ही मैच को घटाकर 32-32 ओवर का कर दिया गया था। गौरतलब है कि देरी के बाद न्यूजीलैंड महिला टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया था, लेकिन टॉस के कुछ ही देर बाद फिर से तेज बारिश शुरू हो गई। मैदान पर पानी भरने और मौसम में सुधार नहीं होने के कारण अंपायरों ने आखिरकार शाम करीब 4 बजकर 40 मिनट पर मुकाबला रद्द घोषित कर दिया हैं। बता दें कि इंग्लैंड की टीम इस तीन मैचों की सीरीज में फिलहाल 1-0 से आगे चल रही है। पहले मुकाबले में इंग्लैंड ने बेहद रोमांचक जीत दर्ज की थी। डरहम में खेले गए उस मैच में इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड को एक विकेट से हराया था। उस मुकाबले में युवा खिलाड़ी टिली कोर्टीन-कोलमैन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था और शानदार गेंदबाजी करते हुए दो विकेट अपने नाम किए थे। उन्होंने चार्ली डीन के साथ आखिरी विकेट के लिए अहम साझेदारी भी निभाई थी। दूसरे मुकाबले के लिए इंग्लैंड टीम में दो बदलाव किए गए थे। अनुभवी स्पिन गेंदबाज सोफी एक्लेस्टोन की टीम में वापसी हुई थी। उन्होंने पहला मुकाबला नहीं खेला था। वहीं एलिस कैप्सी भी बीमारी से उबरने के बाद टीम में शामिल होने वाली थीं। उनकी जगह जोडी ग्रूकॉक को बाहर किया गया था, जिन्होंने पिछले मैच में पदार्पण किया था।

खेल मंत्रालय का बड़ा दांव, स्टार एथलीट नीरज चोपड़ा और मनु भाकर विदेश में करेंगे स्पेशल ट्रेनिंग

एजेंसी नई दिल्ली

पीठ की चोट से उबर रहे भारत के स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा 25 मई से स्विट्जरलैंड के ओलंपिक ट्रेनिंग केंद्र में जाएंगे जबकि निशानेबाज मनु भाकर ट्रेनिंग के लिए इटली चली गईं। खेल मंत्रालय ने इस साल होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों और एशियाई खेलों को देखते हुए विदेशों में ट्रेनिंग के इनके प्रस्तावों को मंजूरी दे दी। नीरज के दोनों प्रतियोगिताओं में खेलने की उम्मीद है जबकि मनु सिर्फ एशियाई खेलों में हिस्सा लेंगी क्योंकि निशानेबाजी राष्ट्रमंडल खेलों का हिस्सा नहीं है। मंत्रालय के मिशन ओलंपिक सेल (एमओसी) ने यहां अपनी 173वीं बैठक में नीरज के स्विट्जरलैंड के बीन में 47 दिन के ऑफ सत्र ट्रेनिंग शिविर के आग्रह के अलावा मनु के प्रस्ताव को भी स्वीकृति दे दी। भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) ने बयान में कहा, ''तुर्किये में पीठ की चोट के लिए रिहैबिलिटेशन से गुजर रहे टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स) के कोर खिलाड़ी दो बड़ी बहु खेल प्रतियोगिताओं की तैयारी के लिए 25 मई से

10 जुलाई तक बीन के ओलंपिक ट्रेनिंग केंद्र में ट्रेनिंग करेंगे। राष्ट्रमंडल खेलों का आयोजन 23 जुलाई से दो अगस्त तक स्कॉटलैंड के ग्लास्गो में किया जाएगा जबकि एशियाई खेल 19 सितंबर से चार अक्टूबर तक जापान के आइची-नगोया में होंगे। नीरज ने इस साल अभी तक किसी प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं लिया है क्योंकि उनका पहले से तय सत्र का पहला टूर्नामेंट दोहा डाइमंड लीग खाड़ी क्षेत्र में चल रहे सैन्य संघर्ष के कारण स्थगित हो गया था। नीरज ने 2018 राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीता था और 2018 तथा 2022 एशियाई खेलों में भी शीर्ष पर रहे थे। हरियाणा के 28 साल के इस खिलाड़ी के साथ उनके फिजियोथेरेपिस्ट इशान मारवाहा और कोच जय चौधरी भी बीन में होंगे। यह एक ऐसी जगह है जहां वह तोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतकर सुपरस्टार बनने से पहले लंबे समय तक रहे हैं। साइ ने कहा, ''इस प्रस्ताव में तीन लोगों की टीम के आने-जाने और रहने का खर्च शामिल है जिसमें हवाई किराया, होटल का खर्च, खाना, वीजा, भाले और ट्रीटमेंट बेड के लिए अतिरिक्त बैगेज भत्ता, मेडिकल बीमा और 47 दिन के लिए हर दिन 25 डॉलर का भत्ता वगैरह शामिल हैं।'' खेल सचिव हरि रंजन राव की अगुआई वाले एमओसी ने दोहरी ओलंपिक पदक विजेता मनु के इटली के लुका में ट्रेनिंग के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी। उन्हें 13 से 22 मई तक ट्रेनिंग की स्वीकृति मिली है। इस 24 वर्षीय खिलाड़ी के साथ उनके कोच जसपाल राणा और फिजियोथेरेपिस्ट स्नेहिल खुराना जाएंगे।

मैन सिटी की जीत से आर्सेनल पर बढ़ा दबाव, खिताबी दौड़ हुई और भी रोमांचक

एजेंसी नई दिल्ली

प्रीमियर लीग का खिताबी मुकाबला अब बेहद रोमांचक मोड़ पर पहुंच चुका है। मैनचेस्टर सिटी ने क्रिस्टल पैलेस को 3-0 से हराकर आर्सेनल पर दबाव बढ़ा दिया है। एतिहाद स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में पेप गार्डियोला की टीम ने शुरुआत से ही नियंत्रण बनाए रखा और आसानी से जीत दर्ज कर ली। बता दें कि इस मुकाबले में मैनचेस्टर सिटी के कोच पेप गार्डियोला ने अपनी टीम में कई बदलाव किए थे। एरलिंग हालांड और जेरेमी डोकू जैसे बड़े खिलाड़ी शुरुआती एकादश में शामिल नहीं थे। इसके बावजूद टीम के प्रदर्शन में कोई कमी दिखाई नहीं दी। गौरतलब है कि लगातार व्यस्त कार्यक्रम को देखते हुए गार्डियोला अपने खिलाड़ियों को रोटेशन के जरिए मौका दे रहे हैं। मौजूद जानकारी के अनुसार, मैच का पहला गोल 32वें मिनट में आया जब फिल फोडेन ने शानदार बैक पास देकर एंटोइन सेमेन्यो को मौका बनाया। सेमेन्यो ने बिना गलती किए गेंद को गोलपोस्ट के कोने में पहुंचा दिया। इसके बाद 40वें मिनट में उमर

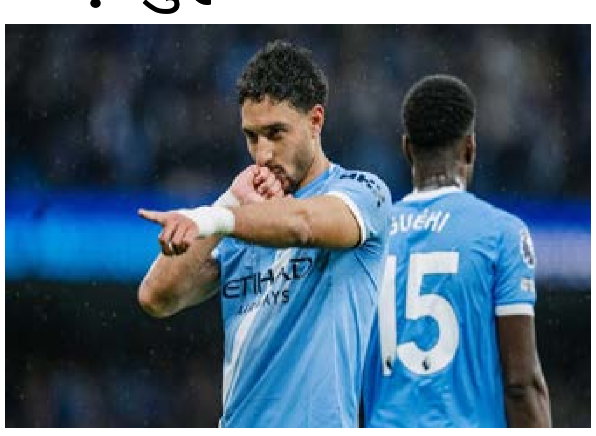

मरमूश ने टीम की बढ़त दोगुनी कर दी। इस गोल में भी फिल फोडेन की अहम भूमिका रही। दूसरे हाफ में क्रिस्टल पैलेस वापसी करने में पूरी तरह नाकाम दिखाई दी। मैच के अंतिम क्षणों में रायन चेर्की ने अपने हाफ से शानदार दौड़ लगाई और साविन्हो को पास दिया, जिन्होंने तीसरा गोल कर मुकाबला पूरी तरह सिटी के पक्ष में कर दिया। गौरतलब है कि इस जीत के साथ मैनचेस्टर सिटी के 77 अंक हो गए हैं और टीम अब आर्सेनल से सिर्फ दो अंक पीछे पहुंच गई है। हालांकि गोल अंतर के मामले में सिटी अब बेहतर स्थिति में मानी जा रही है। वहीं आर्सेनल अभी भी 2004 के बाद अपना पहला प्रीमियर लीग खिताब जीतने की प्रबल दावेदार टीम मानी जा रही है। मैच के बाद फिल फोडेन ने कहा कि खिताबी दौड़ अभी खत्म नहीं हुई है और टीम आखिरी मैच तक पूरी ताकत लगाएगी। उन्होंने कहा कि फुटबॉल में अंतिम दिन तक कुछ भी हो सकता है और टीम को लगातार जीतते रहना होगा। दूसरी ओर क्रिस्टल पैलेस का ध्यान अब यूरोपीय कॉन्फ्रेंस लीग फाइनल पर है, जहां उसका मुकाबला रायो वायेकेनो से होना है। यह मुकाबला क्लब के कोच ओलिवर ग्लासनर का अंतिम मैच भी माना जा रहा है।

6 बॉल में चाहिए थे 15 रन, तिलक वर्मा-विल जैक्स ने पंजाब के मुंह से छीनी जीत

एजेंसी धर्मशाला

शार्दुल ठाकुर की धारदार गेंदबाजी बाद तिलक वर्मा के तूफानी अर्धशतक से मुंबई इंडियंस ने इंडियन प्रीमियर लीग में गुरुवार को पंजाब किंग्स को छह विकेट से हरा दिया। मेजबान टीम पंजाब किंग्स की लगातार पांचवीं हार है। पंजाब के 201 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए मुंबई ने तिलक वर्मा (75 रन, 33 गेंद, छह चौके, छह छक्के) के तेजतर्रार अर्धशतक और विल जैक्स (10 गेंद में नाबाद 25, दो चौके, दो छक्के) के साथ उनकी पांचवें विकेट की 20 गेंद में 56 रन की अटूट साझेदारी से 19.5 ओवर में चार विकेट पर 205 रन बनाकर जीत दर्ज की।

सलामी बल्लेबाज रेयान रिकेल्टन (48) ने भी उम्दा पारी खेली। तिलक ने शेरफेन रदरफोर्ड (20) के साथ भी चौथे विकेट के लिए 61 रन जोड़े। हालांकि मैच काफी ज्यादा रोमांच हो गया था। आखिरी ओवर में जीत के लिए मुंबई इंडियंस को 15 रन की दरकार थी। मैच किसी भी और जा सकता था। आइये बॉल दर बॉल जानते हैं कि आखिरी ओवर में क्या-क्या हुआ और कैसे मुंबई ने जीत दर्ज की। पंजाब किंग्स की तरफ से आखिरी ओवर जेवियर बार्टलेट डाल रहे थे।

19.1- जेवियर बार्टलेट की ओवर की पहली गेंद पर विल जैक्स स्ट्राइक पर थे। उन्होंने पहली बॉल पर ही छक्का लगा दिया।

19.2- ओवर की दूसरी गेंद पर विल जैक्स सिर्फ सिंगल ही ले पाए। इसके बाद तिलक वर्मा स्ट्राइक पर आ गए थे।

19.3- ओवर की तीसरी गेंद पर तिलक वर्मा स्ट्राइक पर थे। लेकिन इस बॉल पर कोई रन नहीं आया। यह गेंद डॉट रही। इसके बाद अब मुंबई को 3 गेंद में 8 रन की जरूरत थी।

19.4- ओवर की चौथी बॉल पर तिलक वर्मा ने जेवियर बार्टलेट को शानदार छक्का लगाया। इसके बाद एमआई को जीत के लिए 2 बॉल में 2 रन चाहिए थी।

व्यापार

भारत के लिए राहत की खबर, 66392 मीट्रिक टन LPG लेकर दो जहाज होर्मुज से निकले, अगले हफ्ते होगी एंट्री

एजेंसी नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी तनाव और युद्ध की स्थिति के बीच भारत के लिए ऊर्जा सुरक्षा के मोर्चे पर एक राहत भरी खबर आई है। रसोई गैस (LPG) लेकर भारत आ रहे दो बड़े जहाज होर्मुज जलडमरूमध्य (Strait of Hormuz) को सुरक्षित पार कर गए हैं। बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव मुकेश मंगल ने गुरुवार को इसकी पुष्टि की। मंत्रालय के अनुसार, रसोई गैस लेकर आ रहे ये जहाज इस सप्ताह के अंत तक भारतीय तटों पर पहुंच जाएंगे। इन दोनों जहाजों पर कुल 66392 मीट्रिक टन एलपीजी लदी हुई है।

दोनों जहाज इस प्रकार हैं

1. SYMI (मार्शल द्वीप झंडे वाला जहाज)
यह जहाज 19,965 टन एलपीजी लेकर आ रहा है। इसने 13 मई को होर्मुज पार किया। इसके 16 मई (शनिवार) को गुजरात के कांडला बंदरगाह पहुंचने की उम्मीद है। इसमें 21 विदेशी चालक दल के सदस्य सवार हैं।

2. NV SUNSHINE (वियतनाम झंडे वाला जहाज)
यह जहाज 46,427 टन एलपीजी लेकर भारत आ रहा है। इसने 14 मई को सुरक्षित रूप से होर्मुज पार किया। इसके 18 मई (सोमवार) को न्यू मैंगलोर पहुंचने की संभावना है। इसमें 24 विदेशी चालक दल के सदस्य मौजूद हैं।

भारतीय जहाज 'हाजी अली' पर हमला
जहां एक ओर गैस लेकर जहाज सुरक्षित निकले हैं, वहीं एक दुखद खबर भी सामने आई। मुकेश मंगल ने बताया कि 'हाजी अली' नामक एक भारतीय ध्वज वाले लकड़ी के जहाज पर हमला हुआ, जिसके बाद वह 13 मई की सुबह डूब गया। यह जहाज सोमालिया से शारजाह (यूएई) जा रहा था। राहत की बात यह रही कि ओमानी कोस्ट गार्ड ने जहाज पर सवार सभी 14 चालक दल के सदस्यों को सुरक्षित बचा लिया है। वे अब ओमान के दिब्बा पोर्ट पहुंच चुके हैं।

अमेरिका और इजरायल ने मिलकर ईरान पर 28 फरवरी को हमला किया था। इसके बाद से पश्चिम एशिया में तनाव है। इसका असर होर्मुज स्ट्रेट में भी देखने को मिल रहा है। यहां से निकलने वाले तेल, गैस और दूसरे जहाजों पर नाकाबंदी लगी हुई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तेहरान के राजनयिक प्रस्तावों पर असंतोष व्यक्त किया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक परमाणु मुद्दे का सीधा समाधान नहीं होता, बातचीत आगे नहीं बढ़ेगी। ट्रंप ने दावा किया कि ईरान की अर्थव्यवस्था ढहने की स्थिति में है, इसलिए वह जल्द से जल्द होर्मुज को खुलवाना चाहता है।

दुनिया पर मंडराया चावल का संकट, 11 साल में पहली बार घटेगी पैदावार, क्या थाली से दूर होगा भात

एजेंसी नई दिल्ली

दुनिया के करोड़ों लोगों के मुख्य भोजन चावल को लेकर एक चिंताजनक खबर सामने आई है। ब्लूमबर्ग ने अमेरिकी कृषि विभाग (USDA) की रिपोर्ट के हवाले से बताया है कि साल 2026-27 के सीजन में वैश्विक चावल उत्पादन में गिरावट आ सकती है। पिछले एक दशक (11 साल) में यह पहला मौका होगा जब दुनिया भर में चावल की पैदावार कम होगी। USDA की रिपोर्ट में बताया गया है कि आगामी सीजन में वैश्विक चावल उत्पादन 538 मिलियन टन रहने का अनुमान है। भारत, म्यांमार और अमेरिका में सबसे ज्यादा गिरावट देखी जा सकती है। अमेरिका में किसानों द्वारा बुवाई कम करने के कारण पैदावार में 15% की कमी आ सकती है। चावल की रेकॉर्ड खपत और व्यापार के बीच उत्पादन कम होने से वैश्विक भंडार में भारी कमी आएगी।

पैदावार घटने के 2 बड़े कारण

1. ईरान युद्ध और लागत में वृद्धि
ईरान में जारी युद्ध के कारण वैश्विक स्तर पर ऊर्जा और उर्वरक की कीमतों में भारी

उछाल आया है।
चावल की खेती में उर्वरक का अधिक इस्तेमाल होता है, इसलिए बढ़ती लागत के कारण एशिया के कई किसान इस बार बुवाई से पीछे हट रहे हैं।

2. अल नीनो का खतरा
दुनिया के सबसे बड़े चावल उत्पादक देश भारत में मानसून पर अल नीनो का साया मंडरा रहा है।
जून से शुरू होने वाले मानसून में औसत से कम बारिश होने की आशंका है, जिससे धान की फसल सीधे तौर पर प्रभावित हो सकती है। चावल की कम आपूर्ति का असर अब कीमतों पर दिखने लगा है। एशिया के बेंचमार्क माने जाने वाले थाई चावल की थोक कीमतों में मार्च के अंत से अब तक 15% की वृद्धि हुई है। वहीं शिकागो बोर्ड ऑफ ट्रेड में चावल का वायदा भाव (Futures) पिछले हफ्ते 8% उछला है, जो दो साल में सबसे बड़ी साप्ताहिक बढ़त है। चावल की कमी के कारण फिलीपींस जैसे एशियाई देशों में खाद्य मुद्रास्फीति पहले से ही बढ़ने लगी है। एशियाई देशों के लिए चावल केवल भोजन नहीं बल्कि अर्थव्यवस्था का आधार है। उत्पादन में कमी न केवल खाने की थाली को महंगा करेगी, बल्कि वैश्विक स्तर पर महंगाई को और हवा दे सकती है। भारत के लिए चुनौती यह होगी कि वह अपने घरेलू भंडार और निर्यात के बीच कैसे संतुलन बनाए रखता है, खासकर तब जब मानसून अनिश्चित बना हुआ है।

डॉलर के मुकाबले 100 की ओर बढ़ा रुपया, आपकी जेब पर पड़ेगा सीधा असर, शेयर बाजार में मचेगी खलबली

एजेंसी नई दिल्ली

भारतीय रुपये में लगातार जारी गिरावट अब निवेशकों के लिए चिंता का बड़ा विषय बन गई है। बाजार के जानकारों का मानना है कि डॉलर के मुकाबले रुपये का 100 के स्तर तक पहुंचना अब महज एक संभावना नहीं, बल्कि एक वास्तविकता नजर आ रही है। बुधवार को रुपया 95.74 के रेकॉर्ड निचले स्तर पर बंद हुआ। इकनॉमिक टाइम्स के अनुसार इस गिरावट ने अर्थव्यवस्था, कॉर्पोरेट आय और निवेशकों के पोर्टफोलियो पर सवालिया निशान लगा दिए हैं। रुपये पर दबाव के 3 मुख्य कारण

1. कच्चे तेल की कीमतें
अमेरिका-ईरान संघर्ष के कारण ब्रेंट क्रूड की कीमतों में भारी उछाल आया है। चूंकि भारत अपनी जरूरत का 80% से अधिक कच्चा तेल आयात करता है, इसलिए तेल महंगा होने से रुपये की वैल्यू घट रही है।

2. विदेशी निवेशकों की निकासी
विदेशी निवेशक भारतीय बाजार से पैसा निकालकर अमेरिका, जापान और दक्षिण कोरिया जैसे बाजारों में लगा रहे हैं, जिससे डॉलर की मांग बढ़ गई है।

3. बढ़ता व्यापार घाटा
भारत एक बड़ा आयातक देश है, जिससे देश के विदेशी मुद्रा भंडार और बाहरी संतुलन पर तनाव बढ़ रहा है। अर्थव्यवस्था और आम आदमी पर प्रभाव विशेषज्ञों के अनुसार, रुपये के कमजोर होने से इंपोर्टेड इन्फ्लेशन (आयातित मुद्रास्फीति) बढ़ती है। इसका सीधा मतलब है कि कच्चा तेल, रसायन, इलेक्ट्रॉनिक्स और कच्चा माल महंगा हो जाएगा।

परिवहन लागत और विनिर्माण खर्च बढ़ने से रोजमर्रा की चीजें महंगी हो सकती हैं। आरबीआई (RBI) को रुपये को संभालने और महंगाई को काबू में करने के लिए ब्याज दरों में बढ़ोतरी करनी पड़ सकती है, जिससे लोन महंगे हो सकते हैं। रुपया कमजोर होने से भारत का आयात बिल बढ़ेगा, जिससे चालू खाता घाटा (CAD) और राजकोषीय घाटा गहरा सकता है।

दिल्ली से दूर नहीं शनिदेव का घर, यहीं शिवजी बने थे हाथी, कृष्ण बने थे कोयल, दूर भागती है साढेसाती

कर्मफलदाता शनिदेव एक न्यायप्रिय देवता है। शनि की जिस व्यक्ति पर शनि की तिरछी नजर पड़ जाए वह उसे शनि के प्रकोप का सामना करना पड़ता है जबकि शनि के प्रसन्न होने पर शनि व्यक्ति को जीवन में सारे सुख मिलते हैं। शनि के प्रकोप से तो देवों के देव महादेव भी नहीं बच पाएं। शनिदेव के कारण भगवान शिव को हाथी बनना पड़ा था। वह स्थान आज भी स्थित है और मान्यता है कि यहां दर्शन करने से शनिदेव की दशा, साढ़ेसाती और ढैय्या के प्रकोप से मुक्ति मिलती है। आइए जानते हैं कोकिला वन के बारे में विस्तार से।

शनिदेव ने भगवान शिव पर डाली वक्र दृष्टि पौराणिक कथाओं के अनुसार, एक दिन शनिदेव कैलाश पर्वत पर अपने गुरु भगवान शिव से भेंट करने के लिए पहुंते थे। भेंट करने के बाद शनिदेव बोले की प्रभु कल से में आपकी राशि में प्रवेश करने जा रहा हूं। आप पर मेरी वक्र दृष्टि पड़ने वाली है। भगवान शिव शनिदेव की बाते सुनकर पहले तो आश्चर्य में पड़ गए बाद में शनिदेव से कहा कि शनि तुम्हारी वक्र दृष्टि कितने समय के लिए मुझ पर रहेगी?

शनि के कारण भगवान शिव बने हाथी शनिदेव बोले कि प्रभु कल मेरी वक्र दृष्टि आप पर तीन प्रहर के लिए रहेगी। अगले दिन भगवान शिव ने सोचा कि मुझपर शनि की दृष्टि पड़ने वाली है। अब मुझे कुछ ऐसा करना होगा कि आज शनि मुझे कहीं देख ही न पाए। शनि की वक्र दृष्टि से बचने के लिए शिवजी धरती पर पहुंच गए। शिवजी सीधा कोकिला वन पहुंचे और यहां अपने रुप बदलकर हाथी के वेष में घूमने लगे।

कोकिला वन में आज भी शनिदेव को प्रसिद्ध मंदिर स्थित है। यहां हजारों भक्त दूर दूर से दर्शन करने के लिए आते हैं। पूरे दिन भोलेनाथ हाथी का वेश धारण करते हुए घूमने लगे और शाम होने पर शिवजी ने सोचा की अब शनि मेरी राशि से जाने वाले होंगे तो वह कैलाश पर्वत पर अपनी असली रुप में पहुंच गए वहां पहले से ही शनिदेव उनका इंतजार कर रहे थे। भगवान शिव ने कहा कि हे शनि तुम्हारी वक्र दृष्टि का कोई प्रभाव नहीं हुआ है तब शनिदेव ने कहा कि मेरी वक्र दृष्टि के कारण ही आज आप सारा दिन देव योनी से पशु योनी में घूमे हैं। इस तरह आप मेरी वक्र दृष्टि के पात्र बन गए। भगवान शिव शनि से प्रसन्न हुए और उन्होंने शनिदेव को दंड अधिकारी बना दिया। कोकिला वन में परिक्रमा और सूर्य कुंड में स्नान

जिस स्थान पर भगवान शिव हाथी बने थे उस स्थान का नाम है कोकिला वन और उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले में कोसी कलां के पास स्थित है। ऐसी मान्यता है कि जो व्यक्ति यहां शनिदेव के दर्शन करने के लिए आता है उसे शनि प्रकोप से मुक्ति मिलती है। साथ ही इस स्थान को लेकर एक अन्य मान्यता यह भी है कि यहां शनिदेव ने भगवान कृष्ण के दर्शन करने के लिए घोर तपस्या की थी। शनिदेव से प्रसन्न होकर कृष्ण भगवान ने उन्हें कोयल के रुप में दर्शन दिए थे। ऐसी मान्यता है कि यहां पर परिक्रमा करने से शनि की साढ़ेसाती से मुक्ति मिलती है। यहां करीब 4 किलोमीटर की परिक्रमा है और सूर्यकुंड भी है। यहां सूर्यकुंड में स्नान करके परिक्रमा करने से शनि दोष का प्रभाव कम होता है।

जहां शिव के साथ विराजती हैं शक्ति, विश्व का इकलौता ऐसा मंदिर

द्वादश ज्योतिर्लिंग यानी कि भगवान शिव के 12 शिवलिंगों की पूजा और दर्शन करने का अपना एक अलग महत्व है। धार्मिक मान्यता है कि द्वादश ज्योतिर्लिंगों के दर्शन और सुबह-शाम के स्मरण मात्र से व्यक्ति के सारे कष्ट दूर हो जाते हैं। शिव भक्त भगवान शिव की कृपा और आशीर्वाद पाने के लिए किसी भी शिवालय में जाकर भगवान शिव की पूजा करते हैं। वहीं भगवान शिव की पूजा करने से जातक के जीवन के कष्टों का अंत होता है। लेकिन द्वादश ज्योतिर्लिंग यानी कि भगवान शिव के 12 शिवलिंगों की पूजा और दर्शन करने का अपना एक अलग महत्व है। धार्मिक मान्यता है कि द्वादश ज्योतिर्लिंगों के दर्शन और सुबह-शाम के स्मरण मात्र से व्यक्ति के सारे कष्ट दूर हो जाते हैं। द्वादश ज्योतिर्लिंग में देवघर के बाबा बैद्यनाथ की पूजा का विशेष महत्व होता है। क्योंकि यह इकलौता ऐसा ज्योतिर्लिंग है, जिसके साथ शक्तिपीठ भी मौजूद है।

कामना ज्योतिर्लिंग झारखंड के देवघर में द्वादश ज्योतिर्लिंगों में से बाबा बैद्यनाथ का ज्योतिर्लिंग और शक्तिपीठों में से एक मां पार्वती की शक्तिपीठ एक साथ विराजमान है। जिसकी वजह से बाबा बैद्यनाथ को कामना ज्योतिर्लिंग भी कहते हैं। क्योंकि यहां पर जो भक्त आते हैं, वह भगवान शिव के साथ मां शक्ति की भी पूजा-अर्चना करते हैं और उनकी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। विश्व का इकलौता ज्योतिर्लिंग बता दें कि देवघर में बाबा बैद्यनाथ का ज्योतिर्लिंग विश्व का एकमात्र ऐसा ज्योतिर्लिंग है। जहां पर ज्योतिर्लिंग के साथ शक्तिपीठ भी मौजूद है। शिव और शक्ति के एक साथ होने से बाबा नगरी और बाबा बैद्यनाथ का महत्व विश्व विख्यात है।

शिव और शक्ति की पूजा आध्यात्म जगत में शिव और शक्ति की पूजा का विशेष महत्व होता है। माना जाता है कि भगवान शिव और शक्ति जीवन के दो मूलभूल स्तंभ हैं। वहीं पौराणिक कथाओं के मुताबिक देवघर में मां सती का हृदय गिरा था। जिस वजह से देवघर में भगवान शिव के साथ मां पार्वती का भी निवास है। बाबा नगरी में बसे भगवान शिव और शक्ति के दर्शन के लिए भक्त दूर-दूर से यहां पहुंचते हैं और मां पार्वती और भगवान शिव की एक साथ पूजा की जाती है।

पहली बार वट सावित्री व्रत करने वाले जान लें, लग रहा है मलमास, क्या इस साल व्रत शुरू करना होगा शुभ

ज्येष्ठ अमावस्या यानी वट सावित्री व्रत का दिन इस साल 16 मई को बन रहा है। शास्त्रों के अनुसार ज्येष्ठ मास में अमावस्या तिथि पर शनि महाराज का जन्म हुआ है और शनि जयंती के अवसर पर ही वट सावित्री का व्रत भी रखा जाता है। वट सावित्री व्रत को सुहाग का व्रत माना गया है जिसको लेकर सुहागन महिलाओं में बहुत ही ज्यादा आस्था है। ऐसी मान्यता है कि इस व्रत के प्रभाव से सुहाग की आयु लंबी होती है और वैवाहिक जीवन में प्रेम और आनंद बढ़ता है। नवविवाहित महिलाओं के लिए वट सावित्री का व्रत विशेष रूप से महत्वपूर्ण होता है। पहली बार जो सुहागन महिलाएं व्रत सावित्री का व्रत रखती हैं उनके लिए यह व्रत विशेष होता है। मायके की ओर से सुहाग सामग्री, पूजा की सामग्री, वस्त्र, मिठाई, फल, काले चने का बायना आता है। अगर किसी कारण से मायके से यह सामग्री नहीं आती है तो सास भी अपनी बहू के लिए पूजा सामग्री की व्यवस्था करती है और नवविवाहिता स्त्री उत्साह पूर्वक वट वृक्ष और पति की पूजा करती हैं और देवी सावित्री से आशीर्वाद मांगती हैं कि, जैसे आपने अपने पति सत्यवान के प्राण बचाए बचाए वैसे ही हमारे सुहाग की भी रक्षा का वर दीजिए।

लेकिन अबकी बार वट सावित्री व्रत को लेकर कुछ उलझन की स्थिति बनी हुई है। सोशल मीडिया पर कुछ पंडित यह बता रहे हैं कि इस साल 16 मई को वट सावित्री व्रत के अगले दिन 17 मई से मलमास लगने जा रहा है ऐसे में जो लोग पहली बार वट सावित्री का व्रत शुरू कर रहे हैं उनको इस साल से वट सावित्री का व्रत शुरू नहीं करना चाहिए। बल्कि अगले साल से वट सावित्री व्रत शुरू करना चाहिए।

ऐसे में नवविवाहित महिलाओं के लिए दुविधा की स्थिति बनी हुई है कि वह इस साल से वट सावित्री व्रत शुरू करें या नहीं। तो इसका जवाब यह है कि, वट सावित्री व्रत मलमास लगने से पहले ही होने जा रहा है। इसलिए वट सावित्री व्रत पर मलमास का किसी प्रकार का प्रभाव नहीं रहेगा। जो महिलाएं पहली बार वट सावित्री व्रत रखने जा रही हैं वह बिना किसी दुविधा के इस साल ज्येष्ठ अमावस्या के दिन पति की और सुहाग की लंबी आयु के लिए वट सावित्री व्रत रख सकती हैं।

शास्त्रों के अनुसार व्रट सावित्री व्रत शुरू करने में मलमास का दोष नहीं लगता है। अगर मलमास के बीच में ज्येष्ठ अमावस्या तिथि लग जाती तो उस स्थिति में शुद्ध ज्येष्ठ अमावस्या आने पर व्रत किया जाता। जैसे कि जो लोग ज्येष्ठ पूर्णिमा पर वट सावित्री का व्रत रखते है वह शुद्ध ज्येष्ठ पूर्णिमा में 29 जून को वट पूर्णिमा पर वट सावित्री का व्रत रखेंगे।

शास्त्रों का मत है कि जो व्रत उठाया जाता है और सौंपा जाता है वह व्रत इस साल शुरू नहीं किया जाएगा। क्योंकि इस साल मलमास लग रहा है। ऐसे में इस साल पहली बार जो लोग छठ करने की सोच रहे हैं वह छठ व्रत नहीं शुरू करेंगे। मंगलवार व्रत उठाने के लिए भी, एकादशी व्रत शुरू करने के लिए भी और जितिया व्रत शुरू करने के लिए भी यह वर्ष शास्त्र सम्मत रूप से अनुकूल नहीं है। लेकिन सुहाग का व्रत वट सावित्री, मधुश्रावणी, करवाचौथ शुरू करने के लिए मलमास का दोष नहीं लगेगा। सुहागन महिलाएं इस साल 16 मई को वट सावित्री का व्रत शुरू कर सकती हैं।

मलमास में कौन सा व्रत शुरू नहीं करना चाहिए

छठ व्रत

मंगलवार व्रत

एकादशी व्रत

जितिया व्रत

आर्थिक राशिफलः सूर्य और बुध का वृषभ राशि में गोच, वृषभ और सिंह को होगा धन लाभ

मेष राशि सूर्यदेव और बुधदेव का वृषभ राशि में गोचर इनकम, सेविंग्स और फाइनेंशियल प्लानिंग पर फोकस लाएगा। भविष्य की सुरक्षा को ध्यान रखते हुए आप इन्वेस्टमेंट के बारे में गंभीरता से सोचेंगे। खर्चों को ऑर्गनाइज करके फिजूलखर्ची के बचें। कम्युनिकेशन, बिजनेस, राइटिंग या नेटवर्किंग से वित्तीय लाभ मिल सकता है। दूसरों को पैसे उधार देते समय सावधान रहें।

वृषभ राशि मिथुन राशि में शुक्रदेव और बृहस्पतिदेव फाइनेंशियल ग्रोथ और बेहतर इनकम के मौके देंगे। सूर्यदेव और बुधदेव सेविंग्स और इन्वेस्टमेंट को लेकर आपको ज्यादा गंभीर स्वभाव का बना सकते हैं। आज आप लॉन्ग-टर्म फाइनेंशियल सिक्योरिटी के बारे में सोचेंगे। बिजनेस से जुड़ी बातचीत फायदेमंद हो सकती है। इमोशनल खर्च या फालतू लग्जरी खर्चों से बचें। ध्यान से प्लानिंग करने से आने वाले हफ्तों में स्टेबिलिटी आने की संभावना है।

मिथुन फाइनेंशियल तौर पर, नेटवर्किंग, कम्युनिकेशन, बिजनेस या ऑनलाइन एक्टिविटीज से फायदा मिलने के लिए दिन अच्छा है। मेष राशि में चंद्रदेव दोस्तों या टीमवर्क से फायदे दिलाएंगे। वृषभ राशि में सूर्यदेव और बुधदेव आपको भविष्य के इन्वेस्टमेंट की सावधानी से प्लानिंग करने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। जोखिम भरे फाइनेंशियल फैसलों या सीक्रेट डीलिंग्स से बचें।

कर्क वृषभ राशि में सूर्यदेव और बुधदेव का गोचर नेटवर्किंग, टीमवर्क और प्रोफेशनल कॉन्टैक्ट्स से फायदा दिला सकता है। सोशल सर्कल या लॉन्ग-टर्म प्रोजेक्ट्स से वित्तीय लाभ मिल सकते हैं। आप भविष्य की वित्तीय सुरक्षा और इन्वेस्टमेंट के बारे में गंभीरता से सोचेंगे। हालांकि, पैसों के मामलों में ईगो के टकराव से बचें।

सिंह राशि आज करियर से जुड़ी फाइनेंशियल ग्रोथ हो सकती है। सूर्यदेव और बुधदेव का वृषभ राशि में आना लंबे समय तक का प्रोफेशनल लाभ और स्थिरता देगा। नेटवर्किंग और सोशल कॉन्टैक्ट से भी फाइनेंशियल मौके मिल सकते हैं। हालांकि, मीन राशि में शनि लोन, टैक्स या शेयर्ड फाइनेंस को सावधानी से संभालने की सलाह देते हैं। बेवजह के रिस्क और बिना सोचे-समझे किए गए इन्वेस्टमेंट से बचें। प्रैक्टिकल प्लानिंग से फाइनेंशियल सिक्योरिटी बेहतर बनाने में मदद मिल सकती है।

कन्या आज फाइनेंशियल मामलों पर ध्यान देने की जरूरत हो सकती है। चंद्रदेव और मंगलदेव अचानक खर्च या इमोशनल फाइनेंशियल फैसले ले सकते हैं। रिस्की इन्वेस्टमेंट या बिना सोचे-समझे खर्च करने से बचें। हालांकि, सूर्यदेव और बुधदेव का वृषभ राशि में आना लंबे समय की प्लानिंग और फाइनेंशियल समझ को बेहतर बनाने में मदद कर सकता है। आज प्रोफेशनल मौके मिल सकते हैं। ध्यान से मैनेजमेंट करने से धीरे-धीरे सुधार आएगा।

तुला राशि सूर्यदेव और बुधदेव के वृषभ राशि में आने से जॉइंट फाइनेंस, सेविंग्स, टैक्स, इंश्योरेंस या लॉन्ग-टर्म इन्वेस्टमेंट पर फोकस बढ़ सकता है। आज फाइनेंशियल प्लानिंग ज्यादा गंभीरता से हो सकती है। पैसों के मामलों में आपको काम की गाइडेंस मिल सकती है। हालांकि, रिस्की फैसले या इमोशनल खर्च से बचें। प्रैक्टिकल सोच और सब्र से फाइनेंशियल स्टेबिलिटी बेहतर हो सकती है।

वृश्चिक राशि आज आपकी फाइनेंशियल प्लानिंग बेहतर हो सकती है। मिथुन राशि में शुक्रदेव और बृहस्पतिदेव शेयर्ड रिसोर्स, इन्वेस्टमेंट, इंश्योरेंस या बिजनेस पार्टनरशिप से फायदा दिला सकते हैं। वृषभ राशि में सूर्यदेव और बुधदेव आपको प्रैक्टिकल और लंबे समय के फाइनेंशियल फैसले लेने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। हालांकि, इमोशनल खर्च या बिना सोचे-समझे फाइनेंशियल कमिटमेंट से बचें। काम से जुड़े खर्च भी बढ़ सकते हैं।

धनु राशि फाइनेंशियल तौर पर दिन अच्छा रहेगा। वृषभ राशि के सूर्यदेव और बुधदेव आपको प्रैक्टिकल वित्तीय योजना बनाने में मदद करेंगे । काम से जुड़े फायदे या मौके धीरे-धीरे मिल सकते हैं। मिथुन राशि में शुक्रदेव और बृहस्पतिदेव पार्टनरशिप या टीमवर्क से फायदा दिलाएंगे। बिना बजट देखे या सोचे-समझे एंटरटेनमेंट या लग्जरी से जुड़े खर्च करने से बचें। ध्यान से प्लानिंग करने से आने वाले हफ्तों में आर्थिक स्थिरता बेहतर हो सकती है।

मकर राशि खर्चों पर कंट्रोल करने से वित्तीय स्थिरता आएगी। सूर्यदेव और बुधदेव का वृषभ राशि में आना क्रिएटिविटी, एजुकेशन, कम्युनिकेशन या बिजनेस एक्टिविटी से फायदा दिला सकता है। मिथुन राशि में शुक्रदेव और बृहस्पतिदेव काम से जुड़े मौकों से इनकम बढ़ा सकते हैं। प्रैक्टिकल वित्तीय योजना से स्टेबिलिटी मिलेगी।

कुंभ राशि मीन राशि में शनि आपको फाइनेंशियल जिम्मेदारियों और सोच-समझकर खर्च करने पर ध्यान केंद्रित करेगा । सूर्यदेव और बुधदेव का वृषभ राशि में आना प्रॉपर्टी, सेविंग्स या परिवार के खर्चों से जुड़ी प्रैक्टिकल प्लानिंग को बढ़ावा दे सकता है। आज कम्युनिकेशन और नेटवर्किंग से करियर के मामले बेहतर हो सकते हैं। मेष राशि में चंद्रदेव प्रोफेशनल मामलों में पहल करने की हिम्मत देंगे। मंगलदेव आपको एक्टिव होकर काम करने और काम जल्दी पूरा करने में मदद कर सकते हैं।

मीन राशि आज फाइनेंशियल मामलों पर चर्चा जरूरी होगी। मेष राशि में चंद्रदेव के होने से सेविंग्स, इनकम और परिवार के खर्चों पर फोकस बढ़ेगा। मंगलदेव अचानक खर्च करने की आदत डाल सकते हैं, इसलिए बिना सोचे-समझे खरीदारी करने से बचें। सूर्यदेव और बुधदेव का वृषभ राशि में आना कम्युनिकेशन या नेटवर्किंग से फायदा दिला सकता है। आपको प्रोफेशनल कॉन्टैक्ट्स से लाभ या सपोर्ट मिल सकता है। मेष राशि में चंद्रदेव फाइनेंशियल ग्रोथ और करियर में स्टेबिलिटी लाएंगे। बिजनेस करने वालों को कम्युनिकेशन-बेस्ड काम से फायदा हो सकता है।

व्यक्ति का स्वभाव कैसे जानें ? ग्रहों से समझें उसकी असली पर्सनैलिटी

सूर्य प्रधान व्यक्ति - जिन व्यक्तियों की जन्मकुण्डली में सूर्य सर्वाधिक बलवान हो अथवा योगकारक हो अथवा हाथ में सूर्य की प्रबलता हो, जन्मकुण्डली में सूर्य उच्च राशि, स्वराशि, मूल त्रिकोण का हो, ऐसे व्यक्ति सूर्य की तरह केन्द्र में बैठकर दूसरों को प्रभावित करते हैं। सूर्य नवग्रहों का राजा है, अतः सूर्य प्रधान व्यक्ति राजसी ठाठ-बाट, शानो-शौकत से जीना पसंद करते हैं, ऐसे व्यक्ति जब तक शांत होते हैं तब तक सबकी खैर है, जब ये क्रोधित अथवा उत्तेजित होते हैं, तो सिंह समान गर्जन कर रौद्र रूप धारण कर लेते हैं। चन्द्र प्रधान व्यक्ति - अगर जन्मकुण्डली में चन्द्रमा सर्वाधिक बलवान हो, उच्च राशि, स्वराशि आदि का होकर केन्द्र, त्रिकोण में स्थित हो अथवा राशि का स्वामी होकर बलवान हो, तो ऐसे चन्द्र प्रधान व्यक्ति चन्द्रमा की चंचलता के समान नौकरी, व्यवसाय इत्यादि में समय-समय पर परिवर्तन करते रहते हैं। जल पसंद होने के कारण स्नान करने में काफी समय लगाते हैं, नदी, समुद्री तट आदि के किनारे भ्रमण करने से विशेष शांति अनुभव करते हैं। कलाप्रेमी होने के साथ-साथ शत्रु की ओर करूणा भाव रखते हैं, परन्तु अत्यधिक

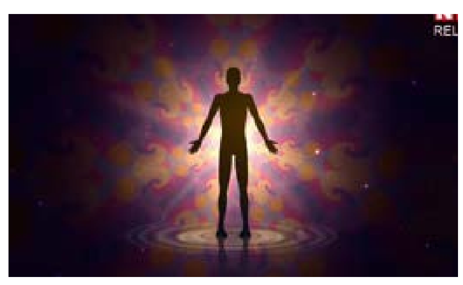

लापरवाही, छोटी-छोटी बातों पर शंका करना, अतिभावुक एवं कल्पनाशीलता के कारण मानसिक तनाव का सामना करना पड़ सकता है। मंगल प्रधान व्यक्ति - मंगल नवग्रहों का सेनापति है, अतः मंगल प्रधान व्यक्ति साहसी, मेहनती, निडर होते हैं। राजनीति, सेना आदि में उच्च पद पर आसीन होते हैं। हठी स्वभाव होने के कारण ये अपनी बात के लिए अन्तिम समय तक लड़ते हैं, स्वाभिमान पर चोट पहुंचते ही ये शीघ्र क्रोधित हो जाते हैं, अनेक कठिनाइयों का मुकाबला करते हुए नौकरी-व्यवसाय में अपनी शक्ति के बल पर गुजारा करते हैं। बुध प्रधान व्यक्ति - बुध प्रधान व्यक्ति अच्छी लेखन शक्ति के स्वामी होते हैं, खान-पान और बोलने में उनका कोई नियंत्रण नहीं होता, ऐसे व्यक्ति बुद्धि का कार्य करते हैं मगर शारीरिक श्रम से दूर भागते हैं। तर्क में निपुण होते हैं, हाजिर जवाब, कार्य में सावधानी बरतने वाले, लिखने-पड़ने में प्रवीण होते हैं। आलोचनात्मक स्वभाव के कारण ये अपनी गलतियों को दूसरे के उपर डाल देते हैं और कभी-कभी खुद ही दुखी हो जाते हैं। गुरु, शुक्र, शनि, राहु, केतु प्रधान व्यक्ति के बारे में अगले अंक में जानेंगे।

बैतूल में पारा 42.5°रिकॉर्ड, सीजन की दूसरी सबसे तेज गर्मी

अगले एक सप्ताह तक 43° तापमान और लू जैसे हालात बने रहने के आसार

दैनिक कारखाने का सफर। बैतूल

बैतूल में गर्मी ने फिर से अपना असर दिखाना शुरू कर दिया है। गुरुवार को जिले का अधिकतम तापमान 42.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस सीजन का दूसरा सबसे गर्म दिन रहा। इससे पहले, 26 अप्रैल को 43 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया था, जो अब तक का सर्वाधिक है। पिछले दस दिनों के तापमान पर गौर करें तो बैतूल में पारा लगातार ऊपर-नीचे होता रहा है, लेकिन गर्मी का प्रभाव बढ़ता गया। 5 मई को अधिकतम तापमान 38 डिग्री था, जो 6 मई को 37.7 और 7 मई को 36.8 डिग्री तक गिर गया था। इसके बाद, गर्मी ने फिर रफ्तार पकड़ी। 8 मई को तापमान 39 डिग्री, 9 मई को 40.2 डिग्री, 10 मई को 39.5 डिग्री और 11 मई को 40.5 डिग्री दर्ज किया गया।

12 मई को पारा सीधे 42 डिग्री तक पहुंच गया। 13 मई को हल्की गिरावट के साथ तापमान 41.4 डिग्री रहा, लेकिन बुधवार को यह फिर बढ़कर 42.5 डिग्री पर पहुंच गया। अगले कई दिनों तक अधिकतम तापमान 41 से 43 डिग्री सेल्सियस के बीच बना रह सकता है।

अगले कई दिनों तक अधिकतम तापमान 41 से 43 डिग्री सेल्सियस के बीच बना रह सकता है।

रातें भी गर्म बनी हुई हैं

मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, उत्तर-पश्चिमी गर्म हवाओं और लगातार साफ आसमान के कारण तापमान में तेजी से वृद्धि हो रही है। दिन के साथ-साथ अब रातें भी गर्म बनी हुई हैं, जिससे लोगों को गर्मी से राहत नहीं मिल पा रही है। दोपहर के समय लू जैसे हालात महसूस किए जा रहे हैं और सड़कों पर लोगों की आवाजाही कम हो गई है। मौसम विभाग के पूर्वानुमानों के अनुसार, बैतूल में आने वाले दिनों में भी गर्मी का असर बना रहेगा।

15 मईः अधिकतम 42C, न्यूनतम 26C
16 मईः अधिकतम 43C, न्यूनतम 27C
17 मईः अधिकतम 43C, न्यूनतम 28C
18 मईः अधिकतम 43C, न्यूनतम 26C
19 मईः अधिकतम 43C, न्यूनतम 27C
20 मईः अधिकतम 42C, न्यूनतम 27C
21 मईः अधिकतम 41C, न्यूनतम 26C

कुछ दिनों में हल्की बारिश के संकेत

पूर्वानुमान के मुताबिक, अगले कई दिनों तक अधिकतम तापमान 41 से 43 डिग्री सेल्सियस के बीच बना रह सकता है। मौसम विभाग ने गर्म और शुष्क परिस्थितियां बने रहने की संभावना जताई है। हालांकि, कुछ दिनों में हल्के बादल या बेहद हल्की बारिश के संकेत भी हैं, लेकिन इससे ज्यादा राहत मिलने की संभावना कम है।

पठानकोट का आर्मी पब्लिक स्कूल उत्तर भारत में प्रथम

CBSE 12वीं परीक्षा में 5वीं बार ऐतिहासिक सफलता, API में 649 अंक

दैनिक कारखाने का सफर। पठानकोट

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (CBSE) द्वारा घोषित 12वीं कक्षा के परीक्षा परिणामों में पठानकोट के कंदरोड़ी का आर्मी पब्लिक स्कूल (APS) ने अपनी श्रेष्ठता का लोहा मनवाया है। स्कूल ने उत्तर क्षेत्र (North Zone) के सभी आर्मी पब्लिक स्कूलों में पहला स्थान प्राप्त कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। विद्यालय की इस गौरवशाली उपलब्धि से पूरे इलाके में खुशी की लहर है। स्कूल ने औसत प्रदर्शन सूचकांक (Average Performance Index - API) में 649 अंक हासिल किए, जो उत्तर क्षेत्र के अन्य सभी आर्मी स्कूलों की तुलना में सर्वाधिक है। यह उपलब्धि इसलिए भी खास है क्योंकि स्कूल ने लगातार पांचवीं बार उत्तर क्षेत्र में शीर्ष स्थान पर रहकर अपनी गुणवत्ता और निरंतरता को साबित किया है। प्रधानाचार्या ने दी बधाई विद्यालय की प्रधानाचार्या दीप्ति शर्मा ने इस ऐतिहासिक सफलता का श्रेय विद्यार्थियों की निष्ठा और अध्यापकों के मार्गदर्शन को दिया। उन्होंने कहा कि स्कूल ने 12वीं की बोर्ड परीक्षा में न केवल पास प्रतिशत, बल्कि गुणवत्ता के मामले में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। विद्यार्थियों और शिक्षकों की दिन-रात की कड़ी मेहनत का ही परिणाम है कि आज स्कूल ने उत्तर क्षेत्र में अपना परचम लहराया है। छात्रों और स्टाफ में खुशी का माहौल नतीजे घोषित होने के बाद विद्यालय परिसर में उत्सव जैसा माहौल देखा गया। छात्रों और अध्यापकों ने एक-दूसरे को बधाई दी और अपनी खुशी साझा की। विद्यालय

प्रबंधन का कहना है कि उनका लक्ष्य न केवल शैक्षणिक परिणाम सुधारना है, बल्कि भविष्य के लिए अनुशासित और काबिल नागरिक तैयार करना भी है।

रिटायर्ड CRPF जवान हत्याकांड का 10 हजार का इनामी गिरफ्तार

मेढ़ विवाद में हुई थी हत्या, बैतूल पुलिस ने आरोपी को देवठान इलाके से दबोचा

दैनिक कारखाने का सफर। बैतूल

बैतूल में रिटायर्ड सीआरपीएफ जवान बाबूराव सातनकर हत्याकांड में गंज पुलिस ने गुरुवार को बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने 10 हजार रुपए के इनामी फरार आरोपी संजय यादव को गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में अब तक चार आरोपी पकड़े जा चुके हैं, जबकि अन्य फरार आरोपियों की तलाश जारी है। यह घटना 17 अप्रैल 2024 को हुई थी। हमलापुर निवासी विशाल सातनकर ने गंज थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि बरसाली और लाखापुर के आरोपियों ने उनके पिता बाबूराव सातनकर के साथ खेत की मेढ़ के विवाद को लेकर लाठी-डंडों और पाइप से मारपीट की थी। गंभीर रूप से घायल बाबूराव की बाद में जिला अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई थी। पुलिस जांच में सामने आया कि दोनों पक्षों के बीच जमीन को लेकर पुरानी रंजिश थी। करीब 10-12 साल पहले भी इसी विवाद को लेकर गोलीकांड और मारपीट की घटना हुई थी। बाबूराव सातनकर पूर्व में सीआरपीएफ में पदस्थ थे और 2014 में रिटायर हुए थे। पुलिस ने इससे पहले ओमप्रकाश उर्फ नानू यादव, फुलचंद उर्फ पिल्लू करोचे और नवीन उर्फ नवीन्द्र यादव को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया था। अब फरार चल रहे 10 हजार रुपए के इनामी आरोपी संजय यादव को चिचोली क्षेत्र के देवठान इलाके से पकड़ा गया है। पुलिस के मुताबिक, पूछताछ में आरोपी संजय यादव ने अपने साथियों के साथ मिलकर मेढ़ विवाद में बाबूराव सातनकर के साथ मारपीट करना स्वीकार किया है। आरोपी के कब्जे से घटना में इस्तेमाल किया गया बांस का डंडा भी बरामद किया गया है। गंज पुलिस इस पूरे मामले में अन्य फरार आरोपियों की तलाश में लगातार जुटी हुई है।

मुलताई में मोटर-वायर चोर गिरफ्तार,1.42 लाख का माल बरामद

ताईखेड़ा के 6 किसानों के खेतों में की थी चोरी

दैनिक कारखाने का सफर। मुलताई

मुलताई पुलिस ने ग्राम ताईखेड़ा के खेतों से सिंचाई उपकरण और बिजली के तार चोरी करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 1.42 लाख रुपए मूल्य का सामान बरामद किया है। यह कार्रवाई बैतूल एसपी वीरेंद्र जैन के निर्देशन में मुलताई पुलिस ने की।

दिलीप धाकड़ समेत 6 किसानों के खेतों में चोरी

ताईखेड़ा निवासी दिलीप धाकड़ ने खेत से मोटर और वायर चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई थी। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि गांव के ही किसान सुभाष किराड़, सखाराम दौडके, वामन डंडारे, मुन्ना नरबरे और तुकाराम सूर्यवंशी के खेतों से भी उपकरण चोरी हुए थे।

मुखबिर की सूचना पर रवि बरोदे हिरासत में थाना प्रभारी नरेंद्र परिहार के नेतृत्व वाली टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर की सूचना पर ग्राम ताईखेड़ा निवासी 32 वर्षीय रवि बरोदे को हिरासत में लिया। पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने सभी चोरियों करना स्वीकार किया। आरोपी की निशानदेही पर चोरी किया गया पूरा सामान बरामद कर लिया गया है।

5715 फीट बिजली वायर और दो मोटर जब्त पुलिस ने आरोपी के पास से 5715 फीट बिजली का तार, 2 पानी की मोटर और 1 स्टार्टर जब्त किया है। बरामद किए गए इस कुल मशरूका की अनुमानित कीमत 1.42 लाख रुपये बताई गई है। आरोपी को कोर्ट में पेश कर भेजा जेल

गिरफ्तार आरोपी रवि बरोदे को पुलिस ने कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। कार्रवाई में एमएल गुप्ता और प्रधान आरक्षक गजराज की मुख्य भूमिका रही। पुलिस अधीक्षक ने किसानों को खेतों में लगे बिजली के उपकरणों की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहने की सलाह दी है।

बिजली शिविर में अधिक बिल की मिली शिकायतें

कंपनी ने मौके पर किया समस्याओं का समाधान, उपभोक्ताओं ने जमा किए बिल

दैनिक कारखाने का सफर। सारनी

मुलताई में मध्य प्रदेश मध्य क्षेत्र बिजली वितरण कंपनी लिमिटेड की ओर से गुरुवार को विशेष जन सेवा शिविर लगाया गया। शिविर सुबह 11 बजे से पुराने एसबीआई बैंक के सामने पटेल वार्ड में लगाया गया था। इसमें भगतसिंह वार्ड, आजाद वार्ड और पटेल वार्ड के बिजली उपभोक्ताओं ने बिजली से संबंधित अपनी समस्याएं अधिकारियों के सामने रखीं। कंपनी के डीजीएम अंकित गुप्ता ने बताया कि शिविर का उद्देश्य उपभोक्ताओं की बिजली संबंधी समस्याओं का मौके पर ही समाधान करना था। शिविर में गलत बिल, अधिक बिल, डुप्लीकेट बिल और बिल सुधार जैसी शिकायतों का निराकरण किया गया। इसके अतिरिक्त, उपभोक्ताओं को बिजली बिल जमा करने की सुविधा भी प्रदान की गई, जिसमें नकद और डिजिटल दोनों माध्यमों से भुगतान स्वीकार किया गया।

मीटर संबंधित शिकायतों का निपटारा शिविर में नए बिजली कनेक्शन, नाम परिवर्तन, लोड बढ़ाने या घटाने, ई-केवाईसी अपडेट और एनओसी जारी करने के लिए आवेदन स्वीकार किए गए। साथ ही, मीटर संबंधी शिकायतों जैसे खराब मीटर, रीडिंग में गड़बड़ी, सर्विस केबल टूटना, शॉर्ट सर्किट, लो और हाई वोल्टेज, और बार-बार ट्रिपिंग की शिकायतें भी दर्ज की गईं। कंपनी की ओर से डीटीआर खराब होने, बिल न बनने और रीडिंग नहीं आने जैसी समस्याओं के समाधान के लिए भी व्यवस्था की गई थी। उपभोक्ताओं को समाधान योजना और अन्य विद्युत योजनाओं के बारे में भी विस्तृत जानकारी दी गई। अधिकारियों ने बताया कि इस शिविर का मुख्य उद्देश्य उपभोक्ताओं को एक ही स्थान पर विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध कराना और उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना है। कंपनी ने नागरिकों से समय पर बिजली बिल जमा करने और बेहतर बिजली आपूर्ति व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक मधुवर मोहन द्विवेदी द्वारा इंडिपेंडेट प्रेस, 11 प्रेस काम्पलेक्स, एमपी नगर जोन-1 भोपाल 462023 म.प्र. से मुद्रित एवं 201 ब्लाक ई, सागर प्रीमियम टावर जेके हॉस्पिटल, कोलार रोड, भोपाल म.प्र. से प्रकाशित। (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा) संपादक- सुनील यादव, समाचार संपादक- राहुल कौशिक। फोन नं. 0755-4262585-9425006706, मो. नंबर 9826697203, 9926288166, RNI.No. MPHIN/2020/78949